PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 169 ● भिलाई, शुक्रवार 09 जनवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली- एनसीआर में फिर बिगड़ी हवा : दोबारा रेड जोन में पहुंचा एक्यूआई

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता एक बार फिर गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। एक दिन के लिए ऑरेंज जोन में आने के बाद दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के अधिकांश इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स दोबारा रेड जोन में दर्ज किया गया है। केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के विभिन्न मॉनिटरिंग स्टेशनों से मिले आंकड़े बताते हैं कि करीब 90 प्रतिशत इलाके खराब से बेहद खराब श्रेणी में हैं। दिल्ली की बात करें तो कई इलाकों में एक्यूआई 300 के पार पहुंच गया है। ओखला फेज-2 में एक्यूआई 342, पटपड़गंज में 332, पंजाबी बाग में 324, पूसा में 345, आरके पुरम में 337, रोहिणी में 319, सिरिफोर्ट में 342, सोनिया विहार में 320 और श्री अरबिंदो मार्ग पर 308 एक्यूआई दर्ज किया गया। हालांकि, शादिपुर में एक्यूआई 165 रहा, जो येलो जोन में है, लेकिन यह राहत सीमित इलाकों तक ही सिमटी नजर आई। नोएडा में भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

सोशल मीडिया सिर्फ प्रमोशन का जरिया नहीं, समाज में सकारात्मकता फैलाने का भी प्लेटफॉर्म

मुंबई। अभिनेत्री अदा शर्मा सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं और अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट कर प्रशंसकों के साथ जुड़ी रहती हैं। खास बात है कि वह इस प्लेटफॉर्म को केवल अपनी फिल्मों के प्रमोशन का जरिया नहीं मानतीं। उनके लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां वह लोगों को प्रेरित कर सकती हैं, जागरूकता फैला सकती हैं और दूसरों की जिंदगी में खुशी ला सकती हैं। अदा ने सोशल मीडिया पर अपनी राय साझा की। अदा से जब पूछा गया कि आज के समय में वह सोशल मीडिया को कितना महत्व देती हैं तो उन्होंने बताया, मेरे लिए सोशल मीडिया का मतलब सिर्फ फिल्मों या प्रोजेक्ट्स का प्रमोशन नहीं है। यह एक एक ऐसी जगह है, जहां कई सकारात्मक काम किए जा सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, मैं हाथियों के कल्याण के लिए रिहैबिलिटेशन सेंटर्स के साथ मिलकर काम करती हूं।

भारत विकास के साथ खेल और प्रतिभा के मामले में भी विश्व स्तर पर अग्रणी : अभिताभ

मुंबई। क्रिकेट हमेशा से भारत के लिए सिर्फ खेल नहीं, बल्कि गर्व और उत्साह का प्रतीक रहा है। हर बार जब भारतीय टीम कोई बड़ा मैच जीतती है, देशभर में खुशी का माहौल बन जाता है। लेकिन साल 2025 में भारत ने बड़ा रिकॉर्ड बनाया। इस बार सिर्फ पुरुष टीम ही नहीं, बल्कि महिला क्रिकेट और ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने भी विश्व चैंपियन बनकर देश का नाम रोशन किया। तीनों टीमों की एक साथ जीत देश के लिए महत्वपूर्ण पल है। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने अपनी ब्लॉग पोस्ट में इस ऐतिहासिक पल की अहमियत को साझा किया।

कोलकाता में जबरदस्त राजनीति ड्रामा

आईपीएसी चीफ प्रतीक जैन के घर-ऑफिस में ईडी का छापा

■ सीएम ममता बनर्जी भी पहुंचीं, गृह मंत्री शाह पर लगाए कई गंभीर आरोप

नई दिल्ली/ एजेंसी

विधानसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल की सियासत गरमा गई है। केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोलकाता में आईपीएसी प्रमुख प्रतीक जैन के आवास और कार्यालय में छापा मारा। यह रेड कोयला घोटाले को लेकर की गई है। हालांकि कार्रवाई के दौरान उस समय बवाल मच गया, जब खुद सीएम ममता बनर्जी प्रतीक जैन के घर पहुंच गईं। आईपीएसी ममता की पार्टी टीएमसी के लिए काम करती है। इसके बाद जमकर कोलकाता में राजनीति ड्रामा देखने को मिला। बंगाल सीएम कार से उतरने के बाद सीधे ऑफिस से अंदर जाने लगीं। वहीं जांच एजेंसी के अधिकारी उन्हें रोकते रहें। उनके आने से माहौल और अधिक संवेदनशील हो गया। इसका वीडियो भी सामने आया है। बता दें कि गुरुवार सुबह से ही आईपीएसी के ऑफिस और प्रतीक जैन के घर पर सर्च ऑपरेशन चल रहा है। दोपहर करीब 12 बजे, जब सर्च चल रही थी, तभी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अचानक प्रतीक जैन घर पहुंच गईं और उन्होंने बीजेपी पर टीएमसी के कागजात लेने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी माइक लेकर आईपीएसी पर ईडी की रेड को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर

हमला बोला। ममता के निसाने पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रहें। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि ईडी के अधिकारी उनकी पार्टी के डॉक्यूमेंट्स जब्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि ईडी हमारी पार्टी के आईटी सेक्टर कार्यालय में इस प्रकार से दस्तावेज लेने आई। मुख्यमंत्री ममता ने इस कार्रवाई को राजनीतिक उत्पीड़न बताया और कहा कि यह सब गृहमंत्री की स्क्रिप्ट के तहत हो रहा है, जो स्वयं देश की सुरक्षा बनाए रखने में असमर्थ हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि ईडी द्वारा उनके पार्टी दस्तावेजों को बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के जब्त किया गया और इस बीच, कुछ मामलों में लोगों के नामों को हटाया जा रहा है। उन्होंने खास तौर पर स्ट्रक्रकेस का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाए कि नाम गायब किए जा रहे हैं और दस्तावेजों का दुरुपयोग किया जा रहा है। ममता बनर्जी ने कहा कि एक तरफ तो एसआईआर करके वोटर्स के नाम लिस्ट से हटाए जा रहे हैं। करीब 1.5 करोड़ लोगों के नाम हटाए गए हैं। दूसरी तरफ ऐसी सर्च के जरिए पार्टी के प्लान को हाईजैक किया जा रहा है। ममता ने कहा कि देखिए, मैं इस फाइल में सब कुछ लेकर आई हूं, क्योंकि प्रतीक मेरी पार्टी के इंचार्ज हैं। मैंने सारी हार्ड डिस्क अरेंज कर ली है। इससे पहले 2019 में सीबीआई ने उस समय के पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार के लाउडन स्ट्रीट वाले बंगले पर रेड मारी थी।

शराब घोटाला: केडिया डिस्टलरी के मालिक को झारखंड एसीबी/ ईओडब्ल्यू ने किया गिरफ्तार, ट्रांजिट रिमांड पर लेकर रांची हुई रवाना

रायपुर। झारखंड शराब घोटाला मामले में झारखंड एसीबी/ ईओडब्ल्यू ने बड़ी कार्रवाई करते हुए केडिया डिस्टलरी के मालिक नवीन केडिया को गिरफ्तार किया है. नवीन केडिया को गोवा से गिरफ्तार करने के बाद झारखंड की टीम ट्रांजिट रिमांड पर रांची के लिए रवाना हो गई है. आरोप है कि झारखंड में देशी शराब की सप्लाई नवीन केडिया ने की थी. इससे झारखंड सरकार को कुल 136 करोड़ के राजस्व का नुकसान हुआ था. विनय चौबे, अरुणपति त्रिपाठी को नवीन के डिस्लिलरी से सप्लाई की गई खेप के प्रत्येक कार्टून पर 300-600 रुपए का कमीशन मिलता था. मामले में नवीन केडिया को पूछताछ के लिए बुलाया गया था. इससे बचते हुए उसने एसीबी कोर्ट से अग्रिम बेल भी मांगी थी. लेकिन उसे राहत नहीं मिली और कोर्ट ने उसकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी.

बेड तक नहीं दिया

आजम खां बीमार...जेल में नहीं मिल रही सुविधा

रामपुर। सपा नेता आजम खां से उनकी पत्नी तजीन फात्मा ने जेल में मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने बताया कि आजम खां इन दिनों बीमार हैं। उनको जेल में सुविधा नहीं मिल रही है। बृहस्पतिवार दोपहर को सपा नेता से मिलने उनकी पत्नी तजीन फात्मा रामपुर की जिला जेल पहुंची। उन्होंने कहा कि आजम को जेल में सुविधा नहीं मिल रही है। उन्हें बुखार और खांसी की शिकायत है लेकिन बेड नहीं दिया गया है। वह जमीन पर सो रहे हैं। उनको जो सुविधाएं मिलनी चाहिए थी वह नहीं मिल रही है। इसको लेकर कई बार बात उठाई जा

चुकी है। मगर इसका कोई फायदा नहीं हो रहा है। इससे पहले भी तजीन फातिमा ने अपने बड़े बेटे अदीब आजम के साथ जेल में बंद सपा नेता से मुलाकात कर चुके हैं। आजम इन दिनों बेटे अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड केस में सजा मिलने के बाद रामपुर जेल में बंद है।

अचानक हुई इस कार्रवाई से कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया

जिला न्यायालय में बम होने का आया धमकी भरा मेल,परिसर में हड़कंप,प्रशासन की पैनी नजर...

राजनांदगांव। बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव और बिलासपुर जिला न्यायालय को आज सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिली है. धमकी न्यायालय की शासकीय ई-मेल आईडी पर भेजी गई है. जिसके बाद न्यायालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई. सुरक्षा एजेंसिया तत्काल अलर्ट मोड पर आ गई. धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और एहतियातन पूरे न्यायालय परिसर को तत्काल खाली करा लिया गया. वकीलों, न्यायालय कर्मचारियों और आम नागरिकों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है. अचानक हुई इस कार्रवाई से कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया. धमकी को गंभीरता से लेते हुए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है. साथ ही बम स्क्वॉड और अन्य सुरक्षा एजेंसियों द्वारा न्यायालय परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है. पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहकर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं. प्रशासन ने किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू कर दिए हैं. फिलहाल धमकी देने वाले की पहचान और मेल की

जांच की जा रही है. स्थिति पर प्रशासन की पैनी नजर बनी हुई है और जांच जारी है. धमकी की सूचना मिलते ही प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई की। न्यायालय परिसर को खाली कराने के साथ ही भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। बम निरोधक दस्ते (बम स्क्वॉड) और अन्य सुरक्षा टीमों को मौके पर बुलाया गया, जो सघन तलाशी अभियान चला रही हैं। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर मौजूद हैं और पूरी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू कर दिए गए हैं। फिलहाल, बम निरोधक दस्ते और पुलिस द्वारा पूरे न्यायालय परिसर की जांच की जा रही है। यह धमकी एक अज्ञात मेल के माध्यम से जिला न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर भेजी गई थी। इस मेल में जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की चेतावनी दी गई है। एहतियात के तौर पर पुलिस ने न्यायालय परिसर को खाली कराकर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

ठाकरे ने एक साथ संयुक्त इंटरव्यू देकर महत्वपूर्ण संदेश दिया

अब एकजुट नहीं हुए तो इतिहास माफ नहीं करेगा-उद्धव ठाकरे..

नई दिल्ली/ एजेंसी

महाराष्ट्र की राजनीति में दो दशक बाद उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने एक साथ संयुक्त इंटरव्यू देकर महत्वपूर्ण संदेश दिया. उद्धव ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर राज्य के हितों से दूर रहने का आरोप लगाया, जबकि राज ठाकरे ने मुंबई और मराठी समाज की मौजूदा स्थिति को गंभीर संकट बताया. पारिवारिक विवाद को लेकर राज ठाकरे ने कहा, मेरा मानना है कि कुछ बातें क्यों हुईं, कैसे हुईं, क्या हुआ, इन सबको अब पीछे छोड़ देना चाहिए. मैंने पहले भी कहा था कि

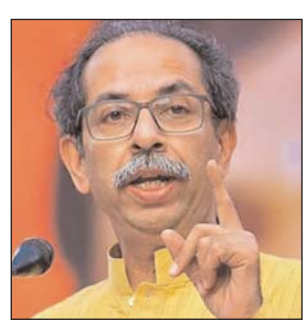

किसी भी झगड़े या विवाद से कही बड़ा महाराष्ट्र है. महाराष्ट्र में किस तरह की राजनीति चल रही है, जनता सब समझती है. यही वजह है कि हम साथ आए हैं. चुनाव प्रचार के शोर के बीच सामना ने शिवसेना के नेता उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे का संयुक्त साक्षात्कार किया. ठाकरे बंधुओं का इंटरव्यू सामना की ओर से संजय राउत और फिल्म निर्देशक महेश मांजरेकर ने लिया. महाराष्ट्र में निकाय चुनाव कराए जा रहे हैं. चुनाव प्रचार जोरों पर है. बृहन्मुंबई महा नगर पालिका बीएमसी समेत 29 नगर निकायों में 15 जनवरी को वोट डाले जाने हैं. चुनाव प्रचार के बीच उद्धव ठाकरे ने कहा कि आज भले ही महाराष्ट्र पर राज मराठी नेता कर रहे हैं, लेकिन उनके मालिक दिल्ली में बैठे हुए हैं, वे उन्हीं के लिए काम करते हैं. राज ठाकरे ने सीएम फडणवीस को लेकर कहा कि उन्हें भ्रष्टाचार की बात तो करनी ही नहीं चाहिए.

सुरक्षा में लापरवाही : दिल्ली विधानसभा परिसर में घुसा संदिग्ध, पुलिस ने हिरासत में लिया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से बड़ी खबर सामने आई है। दिल्ली विधानसभा परिसर में एक व्यक्ति ने घुसने का प्रयास किया, जिसके बाद पुलिस ने शख्स को हिरासत में ले लिया। पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए व्यक्ति की पहचान दिल्ली के ही बुद्ध विहार निवासी नवीन डबस के रूप में हुई। नवीन डबस दिल्ली सरकार के अंतर्गत गेस्ट फैकल्टी (टीजीटी इंग्लिश) के रूप में कार्यरत हैं। वह पिछले लगभग 12 वर्षों से शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे हैं। जानकारी के अनुसार व्यक्ति ने सरकारी पहचान पत्र दिखाकर मुख्य प्रवेश द्वार से प्रवेश किया था। पूछताछ में उसने गेस्ट फैकल्टी शिक्षकों से जुड़ी नीतियों में सुधार की मांग बताई।

हमलावरों से नहीं डिगी आस्था

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर मोदी ने याद किया सालों का संघर्ष.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ मंदिर के 1,000 वर्षों के संघर्ष और पुनरुत्थान को याद करते हुए 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का शुभारंभ किया। उन्होंने उन विभूतियों को याद किया जिन्होंने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और मंदिर की सभ्यतागत चेतना को बार-बार जीवित कर राष्ट्र की एकता को सशक्त किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया के माध्यम से सोमनाथ मंदिर के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जनवरी 1026 में सोमनाथ पर

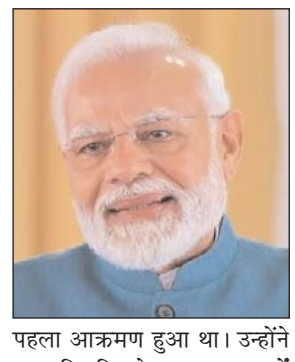

पहला आक्रमण हुआ था। उन्होंने कहा कि पिछले एक हजार वर्षों में सोमनाथ ने कई हमले झेले, लेकिन ये आक्रमण करोड़ों लोगों की शाश्वत आस्था और उस सभ्यतागत चेतना को कभी नहीं तोड़ सके जिसने इस मंदिर को बार-बार खड़ा किया। इसी गौरवशाली इतिहास और मंदिर के आधुनिक पुनरुद्धार की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 8 से 11 जनवरी तक 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर भारत माता के उन असंख्य सपूतों को याद किया, जिन्होंने कठिन और भयावह समय में भी अपने मूल्यों और संकल्पों से समझौता नहीं किया। उन्होंने विशेष रूप से सरदार वल्लभ भाई पटेल और के.एम. मुंशी जैसी महान विभूतियों के योगदान का उल्लेख किया। जिनके प्रयासों से 1951 में मंदिर का आधुनिक स्वरूप सामने आया।

सचिन पायलट का केंद्र सरकार पर हमला

घमंड में डूबी बीजेपी ने बदली महात्मा गांधी के नाम की योजना

रायपुर। संवाददाता

कांग्रेस के छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिव सचिन पायलट आज एक दिवसीय दौरे पर रायपुर पहुंचे। रायपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार पर मनरेगा को व्यवस्थित तरीके से कमजोर और खत्म करने का गंभीर आरोप लगाया। पायलट ने कहा कि मनरेगा जैसी योजना गरीबों के लिए सुरक्षा कवच थी, लेकिन केंद्र सरकार ने इस पर सीधा प्रहार किया है। सचिन पायलट ने कहा कि मनरेगा के तहत ग्रामीण गरीबों को 100 दिन का रोजगार मिलता था, लेकिन आज हालात ऐसे बना दिए गए हैं कि यह योजना कागजों तक सिमटती जा रही है। उन्होंने कहा, पहले मनरेगा की पूरी राशि केंद्र सरकार देती थी, लेकिन अब वह व्यवस्था भी खत्म कर दी गई है। रोजगार के अधिकार को कमजोर किया जा रहा है। पायलट ने आरोप लगाया कि पहले मनरेगा के तहत कामों का फैसला ग्राम पंचायतें करती थीं, जिससे स्थानीय जरूरतों के अनुसार रोजगार मिलता था। उन्होंने कहा अब पूरी योजना को सेंट्रलाइज्ड कर दिया गया है। फंड पर भी कंट्रोल कर लिया गया है, जिससे पंचायतें बेबस हो गई हैं। कांग्रेस प्रभारी ने भाजपा नेताओं से सीधा सवाल करते हुए कहा, अगर सरकार को मनरेगा से इतनी ही दिक्कत थी तो उसका रेट बढ़ाते, मजदूरी बढ़ाते, लेकिन आपने तो योजना को ही खत्म करने का रास्ता चुना। यह गरीब जनता के साथ अन्याय है। सचिन पायलट ने कहा कि यह पहली बार है जब महात्मा

गांधी के नाम से जुड़ी योजना की मूल भावना को ही बदल दिया गया। उन्होंने कहा यह योजना सिर्फ रोजगार नहीं, बल्कि गरीबों की गरिमा और आत्मसम्मान से जुड़ी थी,। पायलट ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सत्ता में आने के बाद भाजपा नेताओं में घमंड आ गया है। उन्होंने कहा आपके पास खंडित जनादेश है, फिर भी इतना घमंड। लेकिन देश की जनता सब देख रही है और समय आने पर जवाब देगी । कमिश्नर प्रणाली को लेकर पूछे गए सवाल पर पायलट ने कहा कि सरकार सिर्फ सुर्खियां बटोरने के लिए ऐसे फैसले ले रही है। उन्होंने आरोप लगाया यह नीतिगत सुधार नहीं, बल्कि जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश है। गौरतलब है कि रायपुर दौरे के दौरान सचिन पायलट मनरेगा आंदोलन की समीक्षा के साथ-साथ संगठनात्मक बैठकों में भी हिस्सा लेंगे। नवनियुक्त जिलाध्यक्षों से मुलाकात और आगामी रणनीति पर चर्चा भी उनके कार्यक्रम में शामिल है। कुल मिलाकर, सचिन पायलट का यह दौरा कांग्रेस की आक्रामक राजनीतिक रणनीति और मनरेगा मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरने की दिशा में अहम माना जा रहा है। सचिन पायलट इससे पहले भी छत्तीसगढ़ के दौरे पर आ चुके हैं।

एमपी और छत्तीसगढ़ के न्यायालयों को बम से उड़ाने की धमकी पर सरकार पर तीखा हमला

सचिन पायलट ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के तीन न्यायालयों को बम से उड़ाने की धमकी की घटनाओं को लेकर भी भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। रायपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए पायलट ने कहा कि भाजपा के नेता भले ही कानून-व्यवस्था को लेकर अपनी पीठ थपथपाते हों, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। सचिन पायलट ने कहा, मध्यम वर्ग के लोग आज खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। महिलाओं, बुजुर्गों और कमजोर वर्ग पर लगातार अत्याचार हो रहा है। लोगों के मन में सुरक्षा का भाव पैदा करने में सरकार पूरी तरह असफल रही है। पायलट ने कहा कि जब न्यायालय जैसी संवैधानिक संस्थाओं को धमकियां मिल रही हैं।

गणतंत्र दिवस समारोह के सफल आयोजन हेतु अधिकारी कर्मचारियों को दी गई जिम्मेदारी

कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने अधिकारियों की बैठक लेकर दी आवश्यक दिशा-निर्देश, जिला मुख्यालय स्थित सरयू प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में आयोजित होगा गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह

बालोद। कलेक्टर दिव्या उमेश ने 26 जनवरी 2026 को जिला मुख्यालय बालोद के स्व. सरयु प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह को सफलतापूर्वक आयोजन के संबंध में संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। इस दौरान उन्होंने सभी अधिकारियों को गणतंत्र दिवस समारोह के भव्य, गरिमामय एवं सफल आयोजन हेतु सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। बैठक में कलेक्टर ने आयोजन से जुड़े सभी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा भी की। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक, अजय किशोर लकरा एवं नूतन कंवर सहित राजस्व विभाग के अधिकारियों के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने जिले के सभी कार्यालय प्रमुख अपने-अपने कार्यालयों में सुबह साढ़े 7 बजे ध्वजारोहण संपन्न करने के पश्चात संयुक्त जिला कार्यालय में सुबह 8 बजे आयोजित कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। इसके पश्चात् उन्होंने संयुक्त जिला कार्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण स्व. सरयू प्रसाद स्टेडियम बालोद में मुख्य कार्यकम स्थल में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा है। कलेक्टर ने कहा कि स्व. सरयू प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में आयोजित मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा सुबह 9 बजे ध्वजारोहरण किया जाएगा।

वाटरप्रूफ बनेगा शामियाना

बैठक में बताया गया कि गणतंत्र दिवस समारोह स्थल स्व. सरयू प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में अतिथियों, गणमान्य नागरिकों, शहीद परिवारों एवं आमंत्रित लोगों को निर्धारित स्थानों में बैठक व्यवस्था की जिम्मेदारी सर्व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं तहसीलदार बालोद को दी गई है। इसी तरह परेड सलामी व्यवस्था, कानून व्यवस्था, यातायात नियंत्रण एवं पार्किंग व्यवस्था की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक बालोद को दी गई है। कार्यक्रम में ध्वजारोहण की सम्पूर्ण व्यवस्था की जिम्मेदारी रक्षित निरीक्षक रक्षित केंद्र बालोद को दी गई है। संपूर्ण सरयू प्रसाद स्टेडियम की साफ-सफाई, टेंकर की व्यवस्था सीएमओ बालोद को दी गई है। समारोह स्थल पर आमंत्रित लोगों की बैठक, मंच निर्माण व्यवस्था, वीआईपी बैठक, वाटर प्रूफशामियाना बैरिकेटिंग, परेड मैदान में अतिथि एवं गणमान्य नागरिक, प्रेस, स्वतंत्रता सेनानी, शहीद परिवार के लिए अलग-अलग सेक्टर निर्माण की व्यवस्था की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंताओं को दी गई है। स्वतंत्रता सेनानी, शहीद परिवार को ससम्मान कार्यक्रम स्थल तक लाने एवं पहुँचाने की व्यवस्था की जिम्मेदारी सर्व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं पुलिस विभाग को दी गई है।

फायर ब्रिगेड की जिम्मेदारी जिला सेनानी, होम गार्ड को

इसी तरह बैरिकेटिंग हेतु बांस बल्ली की आपूर्ति की जिम्मेदारी वनमण्डलाधिकारी बालोद तथा मुख्य अतिथि व अन्य विशिष्ट हेतु फूलमाला एवं गुलदस्ता की व्यवस्था की जिम्मेदारी सहायक संचालक उद्यानिकी विभाग को दी गई है। कार्यक्रम में निर्बाध विद्युत आपूर्ति, माईक, सांउड सिस्टम, ध्वनि विस्तारक यंत्रों की व्यवस्था की जिम्मेदारी कार्यपालन अभियंता विद्युत विभाग एवं अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग (विद्युत यांत्रिकी) को दी गई है। इसी तरह आमंत्रण कार्ड छपाई की जिम्मेदारी सचिव कृषि उपज मण्डी बालोद एवं प्रशस्ति पत्र की छपाई की जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी को दी गई है। आमंत्रण कार्ड वितरण की जिम्मेदारी जिला सत्कार अधिकारी बालोद एवं कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी अनुविभागीय दण्डाधिकारी बालोद को दी गई है। मीडिया, प्रेस को आमंत्रण कार्ड वितरण एवं समारोह में बिठाने की व्यवस्था, मुख्यमंत्री के संदेश को राज्य से प्राप्त कर मुख्य अतिथि को उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सहायक संचालक जनसपंर्क विभाग को दी गई है। कार्यक्रम में गुब्बारों की व्यवस्था की जिम्मेदारी सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं 2 सफेद कबूतर की व्यवस्था की जिम्मेदारी उप संचालक पशु चिकित्सा विभाग को दी गई है। समस्त कार्यक्रम हेतु मंच संचालन, विडियोग्राफी की जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी को दी गई है। वीआईपी एवं विशिष्ट अतिथियों हेतु पेयजल जलपान की व्यवस्था की जिम्मेदारी जिला खाद्य अधिकारी तथा कार्यक्रम स्थल पर भृत्यों की पर्याप्त व्यवस्था की जिम्मेदारी कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी को दी गई है। कार्यक्रम स्थल में रंगोली बनाने की जिम्मेदारी महिला एवं बाल विकास विभाग तथा 13 अगस्त से सरयू प्रसाद स्टेडियम में परेड रिहर्सल की तैयारी हेतु चिकित्सा व्यवस्था, पानी टेंकर व साफ-सफाई की व्यवस्था की जिम्मेदारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी को दी गई है। इसी तरह कार्यक्रम स्थल में फायर ब्रिगेड की जिम्मेदारी जिला सेनानी, होम गार्ड को दी गई है।

स्वास्थ्य सेवा को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम लक्ष्मी मेडिकल का उद्घाटन

बेमेतरा। बेमेतरा नगर में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ एवं सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए लक्ष्मी मेडिकल हॉल का शुभारंभ हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इसका शुभारंभ बेमेतरा नगरपालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा एवं कीमत राय जाधवानी के द्वारा किया गया। शुभारंभ के अवसर पर नगर के गणमान्य नागरिकों, चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों एवं आमजन की उपस्थिति रही। उदघाटन समारोह पारंपरिक विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुआ, जिसमें स्वास्थ्य एवं जनसेवा के प्रति समर्पण का संदेश दिया गया। लक्ष्मी मेडिकल हॉल में सभी प्रकार की एलोपैथिक दवाइयाँ, सर्जिकल आइटम, हेल्थ केयर उत्पाद, मेडिकल इक्विपमेंट्स तथा दैनिक उपयोग की आवश्यक स्वास्थ्य सामग्री उचित मूल्य पर उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही ग्राहकों को शुद्ध, विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण दवाइयाँ उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया। संस्थान के प्रबंधन ने बताया कि लक्ष्मी मेडिकल हॉल का उददेश्य बेमेतरा एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों को एक ही स्थान पर संपूर्ण मेडिकल सुविधाएँ उपलब्ध कराना है, जिससे उन्हें समय एवं सुविधा दोनों का लाभ मिल सके। इस अवसर पर देव गोड़वानी सुनील जादवानी, विकास जादवानी विनय कोडनानी, जिया जादवानी, सचिन, आयुष, अनुप मिश्रा सहित अन्य लोग उपस्थित थे। नगरवासियों ने इस नए मेडिकल प्रतिष्ठान के शुभारंभ पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक सराहनीय पहल बताया।

मनरेगा रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का आयोजन

ग्रामीणों को रोजगार, आवास एवं आजीविका योजनाओं की दी गई जानकारी

बेमेतरा। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बेमेतरा प्रेमलता पद्माकर के नेतृत्व में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत जिले की सभी ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का सफल आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीणों को शासन की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें अधिक से अधिक लाभान्वित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास योजना, आजीविका डबरी निर्माण, विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण), मनरेगा अंतर्गत रोजगार के अवसर तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से संबंधित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रेमलता पद्माकर ने जनपद पंचायत बेरला के ग्राम पंचायत भालेसर एवं कोहड़िया में उपस्थित होकर ग्रामीणों से प्रत्यक्ष संवाद किया। उन्होंने शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा कई मामलों में मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए। कार्यक्रम में ग्रामीणों को विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत मिलने वाले लाभों की जानकारी दी गई। इसके तहत 125 दिनों का गारंटीकृत रोजगार, बेरोजगारी भत्ता, नए स्वीकृत कार्य, श्रमिकों के अधिकार एवं अन्य प्रावधानों के बारे में विस्तार से बताया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को इस योजना से जुड़कर अपनी आय बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। आवास दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास निर्माण हेतु मिलने वाली वित्तीय सहायता, पात्रता, प्रक्रिया एवं समय-सीमा की जानकारी दी गई। हितग्राहियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध आवास निर्माण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। रोजगार दिवस के दौरान जल संरक्षण को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। ग्रामीणों को बताया गया कि जल संरक्षण से भविष्य की जल जरूरतों को सुरक्षित किया जा सकता है। रिचार्ज पिट निर्माण की तकनीक, इसके लाभ एवं इससे भूजल स्तर बढ़ाने में मिलने वाली सहायता की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने घरों एवं सार्वजनिक स्थलों पर रिचार्ज पिट बनाकर वर्षा जल संरक्षण में योगदान दें। कार्यक्रम में आजीविका डबरी निर्माण के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। ग्रामीणों को बताया गया कि डबरी निर्माण से जल संरक्षण, सिंचाई सुविधा, मछली पालन एवं पशुपालन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे उनकी आजीविका सुदृढ़ होगी। मनरेगा के तहत आजीविका डबरी निर्माण के लिए उपलब्ध वित्तीय सहायता की जानकारी देकर ग्रामीणों को इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर दीप्ति मंडावी (मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत बेरला), नवीन साहू (एपीओ, जिला पंचायत), शत्रुघ्न निषाद (डीसी, जिला पंचायत), विष्णु साहू (एसबीएम, जिला पंचायत), असित गोलछा (अनुविभागीय अधिकारी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा), अरविंद कश्यप (कार्यक्रम अधिकारी, जनपद पंचायत बेरला), वर्षा शर्मा (आवास), स्वाति ताम्रकार, शीतल, अरुण (तकनीकी सहायक), पीआरपी-एनआरएलएम, ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में मनरेगा के पंजीकृत श्रमिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों में योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ी तथा अधिक से अधिक लोगों को रोजगार, आवास एवं आजीविका से जोड़ने की दिशा में सार्थक पहल की गई।

राष्ट्रीय अंधत्व एवं अल्प दृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम का समीक्षा बैठक आयोजित

बेमेतरा। राष्ट्रीय अंधत्व एवं अल्प दृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम जिला बेमेतरा अंतर्गत कार्यक्रम का समीक्षा एवं आगामी कार्ययोजना तैयार करने बैठक का आयोजन किया गया, यह बैठक 5 जनवरी 2026 को कलेक्टर सहअध्यक्ष सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई की निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर, जिला नोडल अधिकारी (अंधत्व) डॉ. बी.एल. राज के मार्गदर्शन एवं उपस्थित में फुड प्लाजा रेस्टोरेंट बेमेतरा में रखा गया था, जिसमें बेमेतरा जिले के समस्त नेत्र सहायक अधिकारियों का समीक्षा बैठक रखा गया था। उक्त बैठक में बेमेतरा जिला वर्तमान में मोतियाबिंद मुक्त (मोतियाबिंद के कारण दोनो आंख से अत्यधिक कम दिखना) जिला घोषित है जिसे निरंतर बनाये रखने तथा संख्या पर नही बल्कि क़्वालिटी पर विशेष ध्यान देने सीएमएचओ द्वारा निर्देशित किये गए ,साथ में स्कूल बच्चों की जांच जनवरी माह तक शत प्रतिशत पूर्ण कर लेने आदेशित किया गया है, जिला चिकित्सालय में ऑपरेशन प्लान बेहतर करने व बिस्तरों की संख्या बढ़ाकर 20 करने पर बल दिया गया। नोडल अधिकारी डॉ बी एल राज ने कहा कि नेत्रदान को प्रोत्साहित करने हेतु जिले के वरिष्ठ गणमान्य नागरिकों, पत्रकार, जनप्रतिनिधियों को अधिक से अधिक जानकारी प्रदान किया जाना है, तथा नेत्रदान को प्रोत्साहन हैतु उनका सहयोग लिया जाना है।

20 साल बाद भी स्थायित्व नहीं, 16 माह से लंबित एचआर नीति लागू करने उप मुख्यमंत्री से मांग

कवर्धा। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से देश के करोड़ों ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने वाले कर्मचारी स्वयं सेवा सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा से वंचित हैं। छत्तीसगढ़ मनरेगा कर्मचारी महासंघ, कबीरधाम जिला संगठन ने इसी गंभीर स्थिति को लेकर उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत मंत्री विजय शर्मा से मुलाकात कर 16 माह से लंबित मानव संसाधन (एचआर) नीति को तत्काल लागू करने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि मनरेगा कर्मी पिछले 20 वर्षों से योजना के सुचारु क्रियान्वयन में निरंतर योगदान दे रहे हैं, लेकिन अस्थायी व्यवस्था के तहत काम करने को मजबूर हैं। न तो उनकी सेवा सुरक्षित है और न ही उन्हें सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिल पा रहा है, जिससे कर्मचारियों में गहरी असंतोष की स्थिति बनी हुई है। बैठक के दौरान यह जानकारी भी दी गई कि हाल ही में देशभर के मनरेगा कर्मचारी संगठनों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई चर्चा में केंद्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ मनरेगा कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष अजय सिंह क्षत्री को संबोधित करते हुए राज्य शासन से कर्मचारियों की सेवा सुनिश्चित करने, अस्थायी से स्थायी करने और नीति निर्माण पर पहल का आश्वासन दिया था। उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत मंत्री विजय शर्मा ने कर्मचारियों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए 16 माह से लंबित मानव संसाधन नीति के मामले में आयुक्त, महात्मा गांधी नरेगा को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए जाने की बात कही। साथ ही विकसित भारत-ग्रामीण रोजगार आजीविका मिशन गारंटी के लक्ष्य को हासिल करने में मनरेगा कर्मचारियों की भूमिका को अहम बताया। इसी क्रम में मनरेगा आयुक्त तारण प्रकाश सिन्हा के प्रथम मुंगेली प्रवास के दौरान कार्यालयीन स्टाफ सहित फील्ड स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन करने वाले रोजगार सहायकों ने उन्हें मानव संसाधन नीति बनाए जाने एवं लागू करने संबंधी ज्ञापन सौंपा। जिस पर आयुक्त मनरेगा ने एक माह के भीतर मानव संसाधन नीति लागू करने का आश्वासन दिया। मनरेगा कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि तय समय-सीमा में मानव संसाधन नीति लागू नहीं की गई, तो वे चरणबद्ध आंदोलन और फील्ड स्तर पर रणनीतिक कदम उठाने को मजबूर होंगे। कर्मचारियों का कहना है कि ग्रामीणों के अधिकारों की रक्षा करने वाले कर्मियों के अधिकार अब और अनदेखे नहीं किए जा सकते।

एजुकेशन विथ हिम कल्याणी नाम से स्वयं का यूट्यूब चैनल

प्रधान पाठिका के शैक्षिक गतिविधियों पर आधारित 555 विडिओ यूट्यूब पर अपलोड

बेमेतरा। कहते है मन के हारे हार है, मन के जीते जीत, मुश्किल नहीं दुनियां में कुछ भी, यदि हिम्मत किया जाए, जी हम बता रहे है साजा विकास खंड अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला अकोला के प्रधान पाठक हिमकल्याणी सिन्हा के बारे में, जो तमाम बाधाओं, चुनौतियों, संघर्षो का सामना करते हुए अपने जीवन में आगे बढ़ी है। प्रधान पाठिका हिम कल्याणी बचपन से ही पोलियो के वजह से 75 फीसदी दोनों पैरों से दिव्यांग है, उन्होंने कभी अपने आपको चलते हुए नहीं देखी। व्हिलचेयर पर अपना कार्य पूर्ण करती है। बावजूद इसके वह कभी हार नहीं मानी, चेहरे पर मुस्कान लिए अपना हर काम बहुत लगन, निष्ठा और ईमानदारी से करती है। हिम कल्याणी सिन्हा सत्रह वर्ष तक सहायक शिक्षक के पद पर शासकीय प्राथमिक शाला सैगोना में पदस्थ थी वर्तमान में शासकीय प्राथमिक शाला अकोला में प्रधान पाठक के पद पर कार्य कर रही है। प्रधान पाठिका हिम कल्याणी सिन्हा का शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट कार्यों से नवचारी शिक्षिका के रूप में पहचान बनाई है। अपने स्वयं के व्यय से 150 से अधिक विषय वस्तु से सम्बंधित सहायक शिक्षण सामग्री निर्माण की जिसका उपयोग लगातार कक्षा में होती है, वहीं यूट्यूब पर अभी तक शिक्षण से सम्बंधित 555 वीडियो अपलोड है। जिसमें गीत, कहानी, कविता, विषय आधारित शिक्षण गतिविधि क्राफ्ट वर्क, पॉडकास्ट वीडियो एवं बच्चों की गतिविधि शामिल है। विषय आधारित 4 बिग बुक बनाई है व निरंतर बच्चों के रूचि के अनुरूप गतिविधि में बदलाव कर शिक्षण कार्य को रुचिकर एवं प्रभावी बनाई, इसी के साथ लेखन के क्षेत्र में भी उपलब्धि हासिल की है। नारी शक्ति, दिव्यांगता अधिकार अवसर और आशा, पर्यावरण संरक्षण, खूबसूरत, लम्हें, संवेदनाओं के झरते मोती पुस्तक में इनकी लेख प्रकाशित है साथ ही कई विश्वसनीय पत्र पत्रिकाओं में इनकी रचना को स्थान मिला है। प्रधान पाठिका हिम कल्याणी सिन्हा दो शालाओं के भौतिक विकास में विशेष योगदान दी है। स्वयं के व्यय से कक्षा में टाइल्स लगवाना, स्मार्ट टी. वी. प्रदान की, प्रसाधन कक्ष बनवाई, खिलौना कार्नर बनवाई, ग्रीन मेट प्रदान की आदि आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की शिक्षा में सहयोग करती है साथ सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय भूमिका निभाती, स्वयं पाँच बार रक्तदान की है लोगों को जागरूक करती है, जिला ही नहीं पूरे राज्य में हिम कल्याणी शिक्षकों के लिए भी के प्रेरणा है, वर्ष 2024 में महामहिम राज्यपाल के हाथों प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित हुई है।

जिले में हर्षोल्लास के साथ गरिमामय वातावरण में मनाया जाएगा गणतंत्र दिवस

बेमेतरा। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी प्रतिष्ठा ममगाई द्वारा गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के गरिमामय, सुव्यवस्थित एवं सफल आयोजन हेतु सभी संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत जिला स्तरीय मुख्य समारोह का आयोजन 26 जनवरी को प्रातः 09:00 बजे जिला मुख्यालय बेमेतरा के बेसिक स्कूल मैदान में किया जाएगा, जहां ध्वजारोहण, राष्ट्रगान एवं परेड सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे निर्धारित समय पर समारोह स्थल पर उपस्थित रहकर सौंपे गए दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन सुनिश्चित करें। गणतंत्र दिवस समारोह के अंतर्गत कार्यक्रम के संचालन एवं समन्वय की जिम्मेदारी अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बेमेतरा को सौंपी गई है। समारोह में जिला पुलिस बल, विशेष बल, होमगार्ड, एनसीसी एवं स्काउट-गाइड द्वारा परेड एवं मार्च-पास्ट का आयोजन किया जाएगा, जिससे राष्ट्रीय पर्व की गरिमा और अनुशासन का प्रदर्शन होगा। इसके साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं जिले की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाली झांकियों का आकर्षक प्रदर्शन किया जाएगा। समारोह स्थल पर मंच निर्माण, बैठक व्यवस्था, अतिथि स्वागत, टेंट, फर्नीचर, ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य तकनीकी व्यवस्थाओं का दायित्व संबंधित विभागों को सौंपा गया है, ताकि कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हो सके। स्वच्छता, पेयजल, साफ-सफाई एवं परिसर को सुव्यवस्थित बनाए रखने की जिम्मेदारी नगर पालिका परिषद को दी गई है। वहीं फूल-माला, बुके एवं सजावट की व्यवस्था महिला एवं बाल विकास विभाग तथा उद्यानिकी विभाग के माध्यम से सुनिश्चित की जाएगी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का विशेष आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे।

पुराना एवं अमानक नया धान पाए जाने पर 10 हजार बोरे अस्थायी रूप से जप्त, परिवहन पर रोक

बेमेतरा। जिले के धान उपार्जन केंद्र गाड़ाडीह में आज खाद्य, राजस्व, मंडी एवं सहकारिता विभाग की संयुक्त टीम द्वारा औचक निरीक्षण एवं जांच की गई। जांच के दौरान गंभीर अनियमितताएं सामने आने पर प्रशासन ने कड़ी कार्यवाही की है। संयुक्त टीम द्वारा उपार्जन केंद्र में रखे गए 05 स्टैक मोटा धान की जांच की गई, जिसमें पुराना धान तथा अमानक श्रेणी का नया धान मिश्रित रूप में पाया गया। गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने पर टीम ने तत्काल प्रभाव से कुल 10,000 बोरे धान को अस्थायी रूप से जप्त करते हुए उनके परिवहन पर रोक लगा दी है। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि यह कार्यवाही किसानों के हितों की रक्षा, पारदर्शी उपार्जन प्रक्रिया सुनिश्चित करने तथा शासन द्वारा निर्धारित गुणवत्ता मानकों के पालन हेतु की गई है। जांच के दौरान प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि धान की गुणवत्ता मानक से कम है, जिससे शासन को आर्थिक नुकसान होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। संयुक्त टीम द्वारा मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। जांच पूर्ण होने के पश्चात संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमों के अनुसार कठोर कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। साथ ही अन्य उपार्जन केंद्रों में भी सतत निरीक्षण एवं निगरानी जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि उपार्जन केंद्र गाड़ाडीह में बड़े पैमाने पर पुराना धान खपाने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही नए धान की गुणवत्ता भी अत्यंत खराब पाई गई। जांच टीम द्वारा लिए गए नमूनों में अधिक नमी, टूटन, कचड़ा, मिट्टी एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थ मिले हैं, जो शासन द्वारा निर्धारित गुणवत्ता मानकों का स्पष्ट उल्लंघन है। प्रथम दृष्टया यह गंभीर अनियमितता जानबूझकर की गई प्रतीत हो रही है, जिससे शासन को आर्थिक क्षति पहुंचाने के साथ-साथ किसानों की मेहनत और व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि धान उपार्जन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता या अनैतिक गतिविधि को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

गांजा बेचते महिला पकड़ाई

रायपुर। राजधानी रायपुर की न्यू राजेन्द्र नगर पुलिस ने गांजा बेचने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से सवा किलोग्राम गांजा जब्त किया है। मामले में अरोपी महिला के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। मिली जानकारी के अनुसार एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना मिली कि थाना न्यू राजेन्द्र नगर क्षेत्रांतर्गत मेडिसाईन हॉस्पिटल के पीछे 01 महिला अपने पास गांजा रखी है तथा बिक्री की फिराक में ग्राहक की तलाश कर रही है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सूचना की तस्दीक कर महिला आरोपी को गांजा के साथ पकड़ने हेतु निर्देशित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना न्यू राजेन्द्र नगर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के महिला की पतासाजी कर चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में महिला ने अपना नाम प्रिया मरकाम निवासी न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर में होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसके पास रखे थैले की तलाशी लेने पर थैले में गांजा रखा होना पाया गया। जिस पर टीम के सदस्यो द्वारा महिला आरोपी प्रिया मरकाम को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 01 किलो 125 ग्राम गांजा जुमला कीमती लगभग 56,250 रूपये जप्त कर महिला आरोपी के विरूद्ध थाना न्यू राजेन्द्र नगर में धारा 20बी नारकोटिक एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया है।

बकावंड ब्लॉक के ग्राम मूली की राइस मिल में अवैध धान रीसाइक्लिंग का खुलासा

रायपुर। विकासखंड बकावंड अंतर्गत ग्राम मूली में अवैध धान रीसाइक्लिंग का एक बड़ा मामला सामने आया है। बकावंड एसडीएम मनीष वर्मा का नाम सख्त प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर चर्चा में आ गया है। एसडीएम ने यह बड़ा मामला पकड़ा है। राइस मिल से 3000 क्विंटल धान और 870 क्विंटल चावल बरामद हुआ है। राइस मिल को सील कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मूली स्थित लक्ष्मी गणेश राइस मिल में अवैध रूप से धान रीसाइक्लिंग किए जाने की शिकायत प्रशासन को प्राप्त हुई थी। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम मनीष वर्मा के निर्देश पर राजस्व एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा राइस मिल का औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान राइस मिल की कांटा पंजी की जांच में चौंकाने वाले साक्ष्य सामने आए। पंजी में वाहन क्रमांक सीजी 17 केटी 0804 को धान सहित तौलने का स्पष्ट उल्लेख मिला, जिससे यह पुष्टि हुई कि राइस मिल में नियमों को ताक पर रखकर धान की रीसाइक्लिंग की जा रही थी।प्राथमिक साक्ष्यों के आधार पर प्रशासन ने अग्रिम जांच पूर्ण होने तक राइस मिल परिसर में भंडारित 3 हजार क्विंटल धान एवं 870 क्विंटल चावल को जप्त करते हुए राइस मिल को सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान राइस मिल के पार्टनर अमित गुप्ता मौके पर उपस्थित पाए गए।

मोबाईल के लिए छोटे बाई ने बड़े को उतारा मौत के घाट

रायपुर। जिले के गीदम थाना क्षेत्र के कमलापदर बड़े कारली गांव में एक व्यक्ति ने मोबाईल फोन को लेकर हुए विवाद को बाद अपने बड़े भाई की लकड़ी के खोटले से मार-मारकर बेरहमी से हत्या कर दी। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार शाम करीब 5 बजे दोनों भाइयों के बीच मोबाइल फोन के इस्तेमाल को लेकर बहस शुरू हुई थी। देखते ही देखते यह मामूली कहासुनी हिंसक झड़प में बदल गई। गुस्से से आगबबूला होकर छोटे भाई ने घर में रखे धान कूटने वाले लकड़ी के भारी खोटले (मूसल नुमा औजार) से बड़े भाई की छाती पर जोरदार हमला कर दिया। प्रहार इतना घातक था कि बड़े भाई की मौके पर ही तड़प-तड़प कर मौत हो गई। वारदात के बाद गांव में हड़कंप मच गया और तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी गई। गीदम थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घटनास्थल का मुआयना किया और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी भाई को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। सिर्फ मोबाईल को लेकर हुए इस हत्याकांड ने पूरे कमलापदर गांव को झकझोर कर रख दिया है। फिलहाल गांव में सन्नाटा और दहशत का माहौल है। वहीं पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

रेरा का सख्त रुख : स्वीकृत ले-आउट से विचलन पर वॉलफोर्ट एलेन्सिया परियोजना के प्रमोटर पर 10 लाख रुपये का जुर्माना

रायपुर। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने रायपुर स्थित वॉलफोर्ट एलेन्सिया परियोजना के प्रमोटर के विरुद्ध कड़ा कदम उठाते हुए छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 के अंतर्गत 10 लाख रुपये का आर्थिक दंड अधिरोपित किया है। प्रकरण की सुनवाई के दौरान यह पाया गया कि परियोजना में विकास कार्य नगर तथा ग्राम निवेश विभाग (टाउन एंड कंट्री प्लानिंगङ्क ञ्र×ष्टक्क) द्वारा स्वीकृत ले-आउट के अनुरूप नहीं किया गया।

भक्त माता राजिम जयंती महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री

साहू समाज का सामूहिक विवाह कार्यक्रम सामाजिक उत्थान की मिसाल-मुख्यमंत्री...

■ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय भक्त माता राजिम जयंती महोत्सव में हुए शामिल

रायपुर/ संवाददाता

राजिम भक्तिन माता एवं माता कर्मा के बताए संदेश मानव समाज के लिए कल्याणकारी है, हमें उनके संदेशों का अनुसरण करना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजिम के त्रिवेणी संगम में आयोजित भक्त माता राजिम जयंती महोत्सव को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने भगवान श्री राजीव लोचन एवं भक्त माता राजिम की पूजा अर्चना कर प्रदेश और समाज की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने साहू सृजन पत्रिका का विमोचन किया। साहू समाज द्वारा मुख्यमंत्री का गजमाला पहनाकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने राजिम माता भक्ति जयंती की बधाई देते हुए कहा कि साहू समाज समृद्ध और शिक्षित समाज है जो हर दृष्टिकोण से समृद्ध रहा है। साहू समाज का इतिहास भी समृद्ध रहा है। हम सबको दानवीर भामाशाह,बाबा सत्यनारायण जी का आशीर्वाद मिल रहा है। यह समाज निरंतर विकास करें। यही कामना है। जब समाज एक जुट होगा तो केवल समाज ही नहीं प्रदेश और देश भी शक्तिशाली और समृद्ध बनता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने साहू समाज के सामूहिक विवाह को अनुकरणीय पहल बताते हुए कहा कि राजिम माता ने जिस साहू समाज को अपनी मेहनत और त्याग से संगठित किया, आज वह समाज शिक्षा, कृषि व व्यवसाय सहित सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम राजिम माता के आशीर्वाद से हर गारंटी को पूरा कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ खनिज, वन, उर्वरा से भरपूर है। अब नक्सलवाद से जवान पूरी ताकत से लड़ रहे हैं। हम सबका संकल्प है कि 31 मार्च तक बस्तर को नक्सल मुक्त कर देंगे। राज्य के विकास में बाधक नक्सलवाद अब खत्मा की ओर है। राज्य को हम सब समृद्धि की दिशा में लेकर जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज सिरकट्टी आश्रम में भव्य राम जानकी मंदिर में धर्म ध्वजा की स्थापना की गई। इस पुण्य अवसर पर हमें शामिल होने का सौभाग्य मिला। जैसे अयोध्या धाम में धर्म ध्वजा स्थापना किए हैं, उसी तर्ज पर यहां कुटेना में भी धर्म ध्वजा स्थापित किया गया है। मेरा सौभाग्य है कि एक साल पहले भी इस अवसर पर शामिल होने का अवसर मिला था। उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने कहा कि साहू समाज एक संगठित समाज के रूप में जाना जाता है। आज हम सभी राजिम माता की जयंती मनाने आये हैं। उन्होंने कहा कि त्रिवेणी संगम के इस पावन धरती से प्रेरणा लेकर जाएंगे और मिलकर समाज के विकास के लिए काम करेंगे। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि माता राजिम भक्तीन की महिमा का बखान करते हुए कहा कि राजिम त्याग, भूमि तपस्या, साधना और श्रम की भूमि है। भगवान को खिचड़ी खिलाने वाले समाज से हमारा समाज का नाता है। हम अपने पुरखों के योगदान को याद करके समाज को आगे ले जा सकते हैं। शिक्षा और संस्कार भी जरूरी है। इस अवसर पर साहू समाज के प्रतिनिधिगण सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

प्रोजेक्ट धड़कन के तहत ईलाज से मिली अरमान को हृदय रोग से मुक्ति

रायपुर। संवाददाता

गांव में मितानिन ने एक दिन कहा था, आपके बच्चे की धड़कन बाकी बच्चों से तेज है, यह वाक्य आज भी श्रीमती रजनी यादव के कानों में गूंजता है। वे बोलते-बोलते रो पड़ती हैं, हमने कभी ध्यान ही नहीं दिया अब लगता है, क्यों नहीं दिया। गोगांव, रायपुर की रहने वाली रजनी यादव का तीसरा बेटा अरमान, अपने दोनों बड़े भाईयों और दोस्तों के साथ हंसता-खेलता बड़ा हो रहा था। कभी पिट्ठूल खेलता, कभी दौड़ लगाता, सब कुछ सामान्य लगता था। बस बार-बार होने वाला सर्दी-बुखार माता- पिता को थोड़ा परेशान जरूर करता था, लेकिन किसी को अंदेशा नहीं था कि उस मासूम सी हंसी के पीछे एक गंभीर खतरा छिपा है। फिर 13 दिसंबर 2025 का दिन आया। सरोरा स्थित शासकीय स्कूल में, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार पहुँची चिरायु टीम ने जब बच्चों की जांच शुरू की, तो अरमान की बारी पर डॉक्टर ठिठक गए। उसके हृदय की धड़कन सामान्य नहीं थी। यही वह पल था, जिसने एक परिवार की ज़िंदगी की दिशा बदल दी। प्रोजेक्ट धड़कन छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले की एक स्वास्थ्य पहल है, जिसका उद्देश्य मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर बच्चों में जन्मजात हृदय रोगों (कॉन्जेनिटल हार्ट डिजिस) का जल्द पता लगाना और उनका मुफ्त इलाज कराना है, जिसमें श्री सत्य साई हॉस्पिटल और जिला प्रशासन मिलकर काम कर रहे हैं, विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाकर बच्चों की जांच की जाती है और उन्हें आवश्यक डिजिटल उपकरण (जैसे स्टेथोस्कोप) प्रदान किए जाते हैं। टीम अरमान को तत्काल श्री सत्य साई नारायण अस्पताल, नया रायपुर लेकर गई। विस्तृत जांच हुई और रिपोर्ट ने माता-पिता के पैरों तले ज़मीन खिसका दी। अरमान के दिल में 18 मिमी का छेद था। डॉक्टरों ने बिना देर किए कहा,ऑपरेशन जरूरी है। ईंट-भट्ठे में काम करने वाले पिता रंगनाथ यादव और मां रजनी के सामने सवालों का पहाड़ खड़ा था।

नशीली टेबलेट बिक्री करने वाले चार मेडिकल संचालक गिरफ्तार.....

रायपुर/ संवाददाता

पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन निश्चय के अंतर्गत प्रतिबंधित नशीली टेबलेट के सप्लाई चैन सिंडिकेट का भाण्डाफोड़ करते हुए पुलिस ने 4 मेडिकल दुकान के संचालक और एक एमआर सहित 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से 17,808 नग प्रतिबंधित नशीली टेबलेट अल्प्राजोलम एवं स्पासमों बरामद किया गया है। प्रकरण में चारपहिया टाटा सफारी वाहन क्रमांक सी जी 04 क्यू 0513 एवं 05 नग मोबाइल फोन को भी जप्त किया गया है। सम्पूर्ण जप्त मशरूका की कुल अनुमानित कीमत 01 करोड़ रूपये है। आरोपियों के विरुद्ध थाना पुरानी बस्ती में धारा 21(सी), 29 नारकोटिक एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। बता दें कि आईजी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के दिशा-निर्देश में संचालित ऑपरेशन निश्चय के लगातार दबाव के कारण अब प्रतिबंधित नशीली टेबलेट के तस्कर एवं सप्लार अपने पारंपरिक तरीकों को छोड़कर नए पैटर्न अपना रहे हैं। रायपुर पुलिस द्वारा इंटेलिजेंस-ड्रिवन, एंड-टू-एंड विवेचना और माइक्रो-लेवल सर्विलांस अपनाया जा रहा है। इसी कड़ी में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट को सूचना प्राप्त हुई कि थाना पुरानी बस्ती क्षेत्रांतर्गत कुशालपुर स्थित रत्ना मेडिकल स्टोर के संचालक द्वारा बिना किसी वैध कागजात के अवैध रूप से प्रतिबंधित नशीली टेबलेट बिक्री किया जा रहा है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना पुरानी बस्ती पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त मेडिकल स्टोर में अपना प्वाईंटर भेजकर टेस्ट पर्चेस कराया गया, जैसे ही संचालक द्वारा पुलिस के प्वाईंटर को बिना किसी कागजात के अवैध रूप से प्रतिबंधित नशीली टेबलेट बिक्री किया गया ।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने मंत्री श्री केदार कश्यप के विभागों के बजट तैयारियों पर की चर्चा

भूपेश बघेल ने केंद्रीय एजेंसियों पर बोला तीखा हमला

भाजपा केवल दिखावे के लिए घड़ियाली आंसू बहा रही-बघेल

रायपुर। संवाददाता

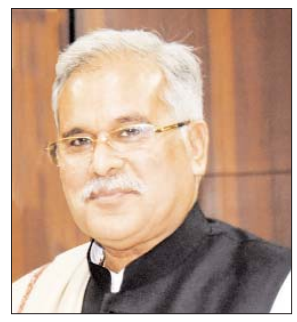

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सेंट्रल जेल में बंद पूर्व मंत्री कवासी लखमा से मुलाकात की। मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में बघेल ने भाजपा और केंद्रीय एजेंसियों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने लखमा की गिरफ्तारी पर भी सवाल उठाए है। भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा के नेता गलती से सच बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि निर्दोष कवासी लखमा को एक साल से ईडी और ईडब्ल्यूओ की कार्रवाई के तहत जेल में रखा गया है, जबकि भाजपा के कुछ नेता भी मान रहे हैं कि लखमा निर्दोष हैं। बघेल ने सवाल उठाया कि यदि लखमा निर्दोष हैं तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज क्यों की गई और कार्रवाई क्यों हुई। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा केवल दिखावे के लिए घड़ियाली आंसू बहा रही है। उन्होंने कहा, ईडी ने अभी तक लखमा की ओर से दिए गए जवाब पर कोई कार्रवाई नहीं की। अगर मेरा बस चलता, तो वह जेल तक नहीं जाता। वीबी-जी राम जी को लेकर चल रहे सियासी विवाद पर भी बघेल ने टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भाजपा महात्मा गांधी को बर्दाश्त नहीं कर सकती। मनरेगा योजना का जिक्र करते हुए बघेल ने कहा कि यह योजना 90 प्रतिशत केंद्र और 10 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित होती थी, लेकिन पिछले दो सालों में भाजपा की सरकार ने इसका कोई काम मंजूर नहीं किया।

बस्तर अंचल का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज मंत्रालय महानदी भवन, रायपुर में हमर छत्तीसगढ़ जन भ्रमण योजना के अंतर्गत राजधानी भ्रमण पर आए सुकमा जिले की सुदूरवर्ती ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधियों ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री श्री साय ने पंचायत प्रतिनिधियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनका हालचाल जाना। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर अंचल का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं को बस्तर के प्रत्येक गांव तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से चर्चा के दौरान कहा कि राज्य सरकार बस्तर क्षेत्र में भी तीव्र गति से विकास कार्य संचालित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुदूर अंचलों में सुरक्षा बलों के कैंप स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे विकास कार्यों को सुरक्षा और गति दोनों प्राप्त हो रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अब अधिकांश गांवों में शासकीय राशन दुकानों की स्थापना की जा चुकी है।

बिक्री के लिए गांजा परिवहन करते दो आरोपी पकड़ाये......

रायपुर। जिले की खरोरा थाना पुलिस ने बिक्री हेतू अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा परिवहन करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से 4.256 किलोग्राम बरामद किया है। आरोपी उडिसा से गांजा लेकर आ रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि राकेश सिंह ठाकुर पिता स्व. विष्णु सिंह ठाकुर निवासी ग्राम तुलसी डहरिया द्वारा उड़ीसा के गांजा तस्कर के साथ अपने मोटर सायकल जुपीटर नीला रंग बिना नंबर में कोसरंगी रोड से घिवरा पुलिया तरफ आने की सूचना पर थाना खरोरा पुलिस पार्टी मुखबिर के बताये स्थान पथ ग्राम घिवरा नहर पुलिया के पास पहुंचा जहां मुखबीर द्वारा बताये गये वाहन व दो व्यक्ति का आने का इंजतार किया, कुछ देर में मुखबीर द्वारा बताये वाहन में दो व्यक्ति आते हुए दिखे जिसे सावधानी पूर्वक गवाहो के समक्ष रोकवाया गया। वाहन चलाने वाले का नाम पता पूछने पर अपना नाम पता राकेश सिंह ठाकुर पिता स्व. विष्णु सिंह ठाकुर उम्र 38 साल साकिन तुलसी डहरिया थाना खरोरा जिला रायपुर तथा पीछे बैठा व्यक्ति अपना नाम पता पिन्टू सतनामी पिता शिदास उर्फ साहेबदास सतनामी उम्र 21 साल साकिन भलेसर भूतकायरा थाना बेलटुकरी जिला नुवापाड़ा उड़ीसा बताया संदेही राकेश सिंह ठाकुर के वाहन मोटर सायकल जुपीटर बिना नंबर की डिक्की में एक सफेद रंग के प्लास्टिक झोला के अंदर एक पैकेट खाकी रंग के टेप से लिपटा हुआ मादक पदार्थ गांजा तथा संदेही पिन्टू सतनामी के हाथ में रखे एक सफेद रंग के प्लास्टिक झोला के अंदर एक पैकेट खांकी रंग के टेप से लिपटा हुआ मादक पदार्थ गांजा प्राप्त हुआ जिसे गवाहो के समक्ष बरामद की गयी। संदेही को बरामद गांजा के संबंध में कागजात पेश करने नोटिस दिया गया।

जिले के प्रभारी मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने ली अधिकारियों की समीक्षा बैठक

जीरो टॉलरेंस नीति का असर धरातल पर परिलक्षित हो-प्रभारी मंत्री

■ योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन एवं गुणवत्तापूर्ण विकास कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

स्वास्थ्य मंत्री एवं बलौदाबाजार जिले के प्रभारी मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बुधवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को केन्द्र एवं राज्य शासन की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन एवं विकास कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिये।बैठक में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, कलेक्टर दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता उपस्थित थे। प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि हमारी सरकार अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं को पहुंचाने प्रतिबद्ध है इसके लिये जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है। सभी अधिकारी इस नीति को धरातल पर उतारने अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिये कि योजनाओं के क्रियान्वयन या लोगों की समस्याओं के निराकरण में लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी एवं सीएमएचओ स्कूल व अस्पतालों का नियमित दौरा कर निरीक्षण करें और कमियों को दुरुस्त करें। शासन स्तर पर कोई मांग हो तो तत्काल प्रस्ताव भेजें, मंजूरी देने में कोई विलम्ब नहीं होगा। उन्होंने ग्राम पंचायतों में विकास कार्य निर्धारित कर प्रस्ताव तैयार करने कहा। इसीतरह नगरीय निकायों में सडक, पानी, बिजली, नाली, साफ-सफाई पर विशेष ध्यान

देने के निर्देश दिये।प्रभारी मंत्री ने नई योजना वी बी- ज़ी राम ज़ी के बारे में जानकारी दी की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत संकल्प को साकार करने के लिये यह योजना मिल का पत्थर साबित होगा। इस योजना के तहत अब ग्रामीण ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को 125 दिन रोजगार मिलेगा और भुगतान सप्ताह भर में हो जाएगा। योजना के तहत अधोसंरचना सम्बन्धी कार्य भी ग्रामीण क्षेत्रों में हो सकेंगे, तकनीक का भी उपयोग होगा ताकी कम समय पर पारदर्शी कार्य सुनिश्चित होगा। उन्होंने धान खरीदी की समीक्षा करते हुए उपार्जन केंद्रों से धान का उठाव में तेजी लाने तथा खरीदी लिमिट बढ़ाने तथा छूटे हुए किसानों का रकबा संशोधन करने के निर्देश दिये।उन्होंने कहा कि सभी वास्तविक किसानों का एक- एक दाना धान खरीदी की जाएगी।उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा करते हुय़ प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत किश्त जारी होने के बाद भी निर्माण प्रारम्भ नहीं होने पर नारजगी जहिर करते हुए जनपद सीईओ को आगामी एक माह में निर्माण प्रारम्भ करने के निर्देश दिये। स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत टीबी मरीजों एवं सिकल सेल मरीजों का शत प्रतिशत स्क्रीनिंग कराने के निर्देश दिये। शासकीय अस्पताल से अनावश्यक रूप से मरीजों को निजी अस्पतालों में रिफर न करने के भी निर्देश दिये। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि राजस्व के कार्यों में पारदर्शिता लाने सरकार तकनिक के उपयोग को बढ़ावा डे रही है। उन्होंने कहा कि राजस्व सम्बन्धी छोटे छोटे कामों के लिये लोगों को परेशानी न हो। आरआई और पटवारी फिल्ड में संवेदनशीलता के साथ काम करें, किसी प्रकार की शिकायत आने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

संपादकीय

सबसे स्वच्छ शहर में जहरीला पानी, तमगे नहीं, जान ज्यादा जरूरी

दूषित पेयजल की मार से प्रभावित इलाके में स्थानीय लोगों ने पिछले डेढ़ वर्ष से इससे होने वाली परेशानी और शिकायत के बावजूद सुनवाई न होने की बात कही। विचित्र और अफसोसनाक है कि जिस शहर को पिछले कई वर्षों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा मिल रहा हो, वहां दूषित पेयजल के सेवन से लोगों के मरने की खबरें आती हैं। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से कई लोगों की मौत हो गई और करीब दो सौ लोगों को अस्पताल भर्ती होना पड़ा। खबरों के मुताबिक, भागीरथपुरा में नर्मदा नदी की पाइपलाइन में गंदा पानी मिल गया, जिससे पानी दूषित हो गया। लोगों ने इस पानी का सेवन शायद इसलिए भी कर लिया कि साफ और गंदे पानी में फर्क करना मुश्किल हो गया था।सवाल है कि अगर आम लोग पेयजल के लिए पानी की आपूर्ति पर निर्भर हों, तो उनके पास गंदा और दूषित पानी पहुंचने की जिम्मेदारी किसकी है। सरकार ने गलती मानते हुए आनन-फानन में कुछ कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही, लेकिन यह साफ है कि संबंधित महकमों की नींद तभी खुलती है, जब कोई बड़ा नुकसान हो चुका होता है।यों, देश भर में लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना सरकार का दायित्व है, लेकिन ऐसा लगता है कि आम लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है और इस क्रम में उनकी सेहत के साथ क्या होता है, इसकी परवाह शायद किसी को नहीं है। खबरों के मुताबिक, दूषित पेयजल की मार से प्रभावित इलाके में स्थानीय लोगों ने पिछले डेढ़ वर्ष से इससे होने वाली परेशानी और शिकायत के बावजूद सुनवाई न होने की बात कही। मगर सरकार के कामकाज की शैली का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पेयजल में दूषित पानी मिलने के बाद जब लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी, तब भी अगले कई दिन तक इस पर ध्यान नहीं दिया गया।इसके अलावा, पीने के पानी के पाइप लाइन से अलग गंदे पानी के निकासी की लाइन को सुरक्षित मानकों तक दूर रखने की व्यवस्था नहीं की गई, तो इसकी क्या वजह हो सकती है? क्या यह सिर्फ अक्षम अधिकारियों की अदूरदर्शिता का मामला है या फिर जानबूझ कर की गई अनदेखी का? इस तरह की लापरवाही का इलाज सिर्फ कुछ औपचारिक कदम नहीं हैं।

वैश्वीकरण, शहरीकरण, प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावादी जीवनशैली ने परिवार को सुविधा-केंद्रित इकाई में बदल दिया है। संयुक्त परिवारों का विघटन, एकल परिवारों का बढ़ना और रिश्तों में औपचारिकता का प्रवेश इस परिवर्तन की स्पष्ट पहचान है। माता-पिता दोनों के कार्यरत होने की स्थिति में बच्चों के साथ समय बिताना एक चुनौती बन गया है। वैश्विक परिवार दिवस, शान्ति और साझेदारी का एक दिन, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रतिवर्ष 1 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिवस संयुक्त राष्ट्र सहस्राब्दी समारोह, 'शान्ति में एक दिन' से विकसित हुआ। समग्र विश्व एक वैश्विक ग्राम है और हम सभी इस बृहत्-परिवार का हिस्सा हैं। भारत ने तो वसुधैव कुटुम्बकम् का उद्घोष करते हुए समूची दुनिया को एक परिवार ही माना है। वैसे भारत की परिवार परम्परा दुनिया के लिये अनुकरणीय है। हम सभी एक परिवार हैं, चाहे हमारी नागरिकता, धर्म, जाति, सीमाएं या नस्ल कुछ भी हो। समग्र मानव जाति को एक साथ आना चाहिए और प्रेम और शान्ति में विश्वास करना चाहिए और विश्व में सुख और आशा लाने हेतु इसका अभ्यास करना चाहिए। संसार संघर्षों, युद्धों, उपद्रवों, कष्ट और पीड़ा से भरा पड़ा है। यदि हम सभी एक साथ आएं और दुनिया को प्रेम और धैर्य से ठीक करें, तो हम सभी खुशी से और अपने हृदयों में आशा के साथ रह सकते हैं।

पारिवारिक परंपरा को बोझ नहीं, वैश्विक समाधान समझें

(ललित गर्ग)

वैश्विक परिवार दिवस विविधता एवं एकता और विश्व शान्ति और अहिंसा महत्त्व के बारे में जागरूकता लाता है। इस दिवस की शुरुआत 1997 में हुई जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने नव सहस्राब्दी के पहले दिन से विश्व के बच्चों के लिए शांति और अहिंसा की संस्कृति के अंतर्राष्ट्रीय दशक की शुरुआत की। लिंडा ग्रोवर ने अमेरिका में इसे बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इसे बढ़ावा देने के अन्य प्रयासों में 'वन डे इन पीस - जनवरी 1, 2000' जैसी पुस्तकें शामिल थीं। यह पुस्तक भविष्य में एक ऐसे दिन की अवधारणा पर आधारित थी जहाँ केवल शांति हो और कोई युद्ध न हो। हालांकि, यह एक नए शांतिपूर्ण विश्व की शुरुआत मात्र थी और 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों को उस वर्ष के पहले दिन को शांति निर्माण की रणनीतियों को विकसित करने के लिए समर्पित करने का निमंत्रण मिला।

इस दिन के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए, संयुक्त राष्ट्र ने 2001 में वैश्विक परिवार दिवस को वार्षिक आयोजन घोषित कर दिया। प्रत्येक वर्ष परिवार की भूमिका, उसकी बदलती संरचना और सामाजिक प्रासंगिकता पर विचार करने का अवसर देने वाला वैश्विक परिवार दिवस आज के समय में केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं रह गया है, बल्कि वह आधुनिक समाज की सबसे गहरी विडंबनाओं और चुनौतियों को उजागर करने वाला एक चिंतन-दिवस बन गया है। परिवार मानव जीवन की वह मूल इकाई है, जहाँ व्यक्ति का भावनात्मक, नैतिक और सामाजिक निर्माण होता है। भारतीय संदर्भ में परिवार केवल रक्त-संबंधों का समूह नहीं रहा, बल्कि वह संस्कारों की पाठशाला, शांति, सहयोग एवं सौहार्द की प्रयोगभूमि और जीवन-मूल्यों का आधार रहा है। इसी परिवार-परंपरा ने भारत को सदियों तक सामाजिक स्थिरता, अहिंसा, सहिष्णुता और मानवीय करुणा का देश बनाए रखा। आज विडंबना यह है कि जिस भारतीय परिवार व्यवस्था को दुनिया एक आदर्श मॉडल के रूप में देख रही है, उसी भारत में वह धीरे-धीरे उपेक्षा और विस्मृति का शिकार होती जा रही है।

वैश्वीकरण, शहरीकरण, प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावादी जीवनशैली ने परिवार को सुविधा-केंद्रित इकाई में बदल दिया है। संयुक्त परिवारों का विघटन, एकल परिवारों का बढ़ना और रिश्तों में औपचारिकता का प्रवेश इस परिवर्तन की स्पष्ट पहचान है। माता-पिता दोनों के कार्यरत होने की स्थिति में बच्चों के साथ समय बिताना एक चुनौती बन गया है। परिणामस्वरूप बचपन, जो कभी परिवार के स्नेह, संवाद और अनुभवों से संवरता था, आज स्क्रीन, अकेलेपन और भावनात्मक रिक्तता के बीच पनप रहा है। बच्चों के जीवन में माता-पिता की अनुपस्थिति केवल समय की कमी नहीं है, बल्कि वह सुरक्षा, संवाद और मार्गदर्शन की कमी भी है। परिवार का वह सहज वातावरण, जहाँ प्रश्न पूछे जा सकते थे, गलतियाँ स्वीकार की जा सकती थीं और भावनाएँ साझा की जा सकती थीं, आज धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है। बुजुर्ग, जो कभी परिवार की धुरी हुआ करते थे, अनुभव और संस्कार के संवाहक थे, आज कई घरों में हाशिये पर खड़े दिखाई देते हैं। उनके पास समय नहीं, धैर्य नहीं और कभी-कभी सम्मान भी नहीं बचा। यह स्थिति केवल पीढ़ियों के बीच दूरी नहीं बढ़ा रही, बल्कि समाज को उसके नैतिक आधार से भी वंचित कर रही है।

दूसरी ओर, यह भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि वैश्विक स्तर पर आज परिवार की भूमिका को नए सिरे से समझा जा रहा है। पश्चिमी देशों में, जहाँ अत्यधिक व्यक्तिगत स्वतंत्रता ने सामाजिक अकेलेपन को जन्म दिया, अब परिवार, साझेदारी और सामूहिक जीवन की पुनर्स्थापना पर गंभीर विमर्श हो रहा है। इसी क्रम में वैश्विक परिवार दिवस को केवल परिवार के रूप में नहीं, बल्कि शांति, सहयोग और साझेदारी के प्रतीक के रूप में भी देखा जाने लगा है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में इस दिवस को शांति और साझेदारी के वैश्विक दिवस के रूप में भी परिवार और मानवीय संबंधों के महत्व को रेखांकित किया जाता है। यह संकेत देता है कि परिवार केवल निजी जीवन की इकाई नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और सामाजिक संतुलन की आधारशिला भी है।

दुनिया भर में संस्कृतियाँ और धर्म अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि पूरी मानव जाति एक बड़ा परिवार है जो एकजुट होकर ही जीवित रह सकती है। इस वर्ष वैश्विक परिवार दिवस की थीम परिवार, शिक्षा और कल्याणः आज और भविष्य इस तथ्य की ओर संकेत करती है कि परिवार की भूमिका केवल बच्चों को पालने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह शिक्षा का पहला केंद्र और कल्याण का स्थायी आधार है। वैश्विक परिवार दिवस की प्रासंगिकता इसी बिंदु पर सबसे अधिक उभरकर सामने आती है कि परिवार केवल रहने की व्यवस्था नहीं, बल्कि जीने की संस्कृति है। परिवार में बिताया गया समय निवेश है, व्यय नहीं। बच्चों के साथ संवाद, बुजुर्गों के साथ सहभागिता और रिश्तों के बीच संवेदनशीलता समाज के दीर्घकालिक स्वास्थ्य की गारंटी है। यदि आज परिवार टूट रहे हैं, तो उसका प्रभाव केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह सामाजिक असंतुलन, मानसिक तनाव और मूल्यहीनता के रूप में व्यापक रूप से सामने आएगा। इस संदर्भ में आवश्यक है कि हम परिवार को नए दृष्टिकोण से देखें। आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। कार्य और परिवार के बीच प्राथमिकताओं का पुनर्निर्धारण हो। डिजिटल सुविधाओं के साथ मानवीय संवाद को भी उतना ही महत्व दिया जाए। बच्चों के लिए समय निकालना दायित्व नहीं, बल्कि भविष्य के समाज में निवेश के रूप में समझा जाए। बुजुर्गों को केवल सहारा नहीं, बल्कि मार्गदर्शक के रूप में पुनः स्वीकार किया जाए। वैश्विक परिवार दिवस और शांति व साझेदारी का वैश्विक संदेश हमें यह सिखाता है कि परिवार जितना सशक्त होगा, समाज उतना ही शांत और सहयोगी बनेगा। परिवारों में संवाद होगा तो समाज में टकराव कम होंगे। परिवारों में साझेदारी होगी तो राष्ट्रों के बीच भी सहयोग की भावना मजबूत होगी। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी पारिवारिक परंपरा को बोझ नहीं, बल्कि वैश्विक समाधान के रूप में देखे। अंततः वैश्विक परिवार दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। यदि परिवार सशक्त हुए तो शांति, साझेदारी और मानवीय मूल्यों का भविष्य सुरक्षित रहेगा। भारतीय परिवार परंपरा आज भी प्रासंगिक है, आवश्यक है कि हम उसे समयानुकूल रूप देते हुए अपने जीवन के केंद्र में पुनः स्थापित करें, क्योंकि मजबूत परिवार ही मजबूत समाज और शांत विश्व की आधारशिला होते हैं। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।

महिलाएं सेहत से जुड़ी ये 5 गलतियां ना करें, गायनेकोलॉजिस्ट ने दी कैंसर टेस्ट की सलाह

(दिव्यांशी भदौरिया)

गायनेकोलॉजिस्ट ने महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए 5 जरूरी टिप्स दिए हैं, जिनमें स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, प्रोटीन युक्त आहार और 6-8 घंटे की नींद शामिल है। इसके साथ ही, सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए पैप स्मीयर टेस्ट और मेंटल हेल्थ के लिए सेल्फ केयर को प्राथमिकता देने की सलाह दी गई है।

अक्सर होता है कि महिलाएं अपनी हेल्थ लेकर हमेशा लापरवाही करती हैं। नए साल की शुरुआत के साथ ही उन्हें अपनी सेहत पर ध्यान देना काफी जरुरी है। गायनेकोलॉजिस्ट ने बताया है कि, महिलाएं इस साल इन 5 कामों को जरुर करना चाहिए। इन कामों से फिट रखने , खुश रखने औक लाइफ में आगे बढ़ने में सहायता प्राप्त होगी।हेल्दी रहने के लिए इन 5 चीजों के समझौता ना करें

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग= डॉक्टर ने बताया है कि आप किसी भी एज ग्रुप की हो, फर्टिलिटी का टाइम है या फिर प्रेग्नेंसी प्लान कर रही हैं। हर महिला को स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जरुर करनी चाहिए। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग महिलाओं की हड्डी, मसल्स और हार्मोस को स्ट्रांग बनाने में मदद करती है। याद रखें कि हर महिलाएं धीरे-धीरे मेनोपॉज की तरफ बढ़ती है जो इरवर्सिबल होता है। इसलिए हेल्थ का ध्यान रखना जरुरी है।

प्रोटीन का सेवन अधिक करें: यदि आपको शरीर में एनर्जी और स्ट्रेंथ चाहिए तो प्रोटीन की मात्रा को रुटीन में बढ़ाएं। आमतौर पर महिलाओं को लगता है कि रोजाना एक कटोरी दाल से प्रोटीन की पूर्ति होती है। लेकिन ये पूरी तरह मिथ है। ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर तीनों में प्रोटीन का इनटेक बॉडी को हेल्दी रखने में मदद करता है।

6-8 घंटे की नींद जरुर लें: आमतौर पर महिलाएं दिन-भर काम करती हैं और रात को भी काम करती हैं, लेकिन आराम से दूर भागती हैं, तो समझें नींद हेल्द के लिए बेहद जरुरी है। हेल्दी रहने के लिए रोजाना कम से कम 6-8 घंटे की नींद लेना जरुरी है। अच्छी नींद से फिजिकल और मेंटल हेल्द दोनों बेहतर रहेगी।

कैंसर टेस्ट जरूर करवाएं: महिलाएं अपने पीरियड्स और इससे जुड़ी समस्याओं पर नजर रखें। पैप स्मियर नाम का टेस्ट कराएं। ये टेस्ट बच्चेदानी में होने वाले कैंसर के शुरुआती स्टेज को पता करने के लिए करवाया जाता है। आपको बता दें कि, इस टेस्ट कराने से कोई दर्द नहीं होता है। हालांकि, यह टेस्ट कराने से बड़ी बीमारी से बचाने में मदद करेगा। साल में एक बार में पैप स्मियर टेस्ट जरुर कराएं।

खुद का ध्यान रखें: पांचवां सबसे जरुरी बात यह है कि खुद के लिए समय जरुर निकालें। महिलाएं अधिकतर घर, फैमिली, करियर में बिजी रहती है। खुद को नेगलेक्ट करने की जल्दी ही फिजकली और मेंटली बीमार होने लगती हैं। इसलिए जरुरी कामों में खुद के लिए समय निकालना भी शुरु करें। इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं।

उमर खालिद के समर्थन में उतर कर मामदानी ने बड़ा खतरनाक खेल खेला है

(नीरज कुमार दुबे)

इस पत्र के सामने आने के बाद भारत में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। आलोचकों का कहना है कि किसी विदेशी शहर के मेयर द्वारा भारत के एक संवेदनशील कानूनी मामले में पक्ष लेना अनुचित है। खासकर तब, जब मामला दंगों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हो। न्यूयार्क के मेयर जोहरान मामदानी की ओर से भारत में तिहाड़ जेल में बंद उमर खालिद को भेजे गए एक पत्र ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नया विवाद खड़ा कर दिया है। हम आपको बता दें कि यह पत्र उमर खालिद के माता पिता से मुलाकात के दौरान दिया गया और इसमें मामदानी ने खालिद के विचारों की तारीफ करते हुए लिखा कि वे उनके बारे में सोच रहे हैं। उल्लेखनीय है कि उमर खालिद पर वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े गंभीर आरोपों की सुनवाई चल रही है।

इस पत्र के सामने आने के बाद भारत में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। आलोचकों का कहना है कि किसी विदेशी शहर के मेयर द्वारा भारत के एक संवेदनशील कानूनी मामले में पक्ष लेना अनुचित है। खासकर तब, जब मामला दंगों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हो। हम आपको याद दिला दें कि उमर खालिद पर गैरकानूनी गतिविधि निरोधक कानून के तहत आरोप हैं और वह न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है। ऐसे में किसी विदेशी जनप्रतिनिधि की ओर से सहानुभूति और प्रशंसा का सार्वजनिक संकेत कई सवाल खड़े करता है।

हम आपको बता दें कि मामदानी के पत्र को सिर्फ एक व्यक्तिगत संदेश नहीं माना जा रहा है बल्कि इसे एक राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। भारत और अमेरिका के संबंधों के संदर्भ में भी इस कदम को असहज माना गया है। भारत में यह तर्क उभरा है कि यदि हर देश का स्थानीय नेता दूसरे देश के न्यायिक मामलों पर टिप्पणी करने लगे तो संप्रभुता और संस्थागत सम्मान पर आंच आएगी।

देखा जाये तो जोहरान मामदानी का यह कदम साफ तौर पर भारत के आंतरिक मामलों में दखल है। सवाल सीधा है। सवाल उठता है कि न्यूयार्क के मेयर को यह अधिकार किसने दिया कि वह भारत के दंगों से जुड़े एक आरोपी की तारीफ करे और उसे नैतिक समर्थन दे। मामदानी को समझना होगा कि भारत की न्याय व्यवस्था सक्षम है, संवैधानिक है और अपने फैसले खुद लेने में

समर्थ है।

उमर खालिद कोई साधारण सामाजिक कार्यकर्ता नहीं है, बल्कि उस पर दिल्ली दंगों की साजिश में शामिल होने के गंभीर आरोप हैं। ऐसे व्यक्ति को वैश्विक मंच से नैतिक समर्थन देना न केवल भारत के लिए गलत है, बल्कि यह एक खतरनाक परंपरा को जन्म देता है। इससे यह संदेश जाता है कि दंगों और हिंसा से जुड़े आरोपों को वैचारिक खोल पहनाकर महिमामंडित किया जा सकता है। यह संदेश उन तत्वों के लिए संजीवनी का काम करता है जो अराजकता और टकराव की राजनीति में विश्वास रखते हैं।

यह समझना चाहिए था कि भारत का आंतरिक कानून और व्यवस्था किसी विदेशी राजनेता की राय का मोहताज नहीं। यदि उन्हें मानवाधिकार की इतनी ही चिंता है, तो उन्हें अपने देश में चल रही हिंसा, नस्लीय तनाव और अपराध की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। भारत में न्याय की प्रक्रिया अदालतों के माध्यम से चलती है, न कि सोशल संदेशों और पत्रों के जरिये।

इस तरह का समर्थन सिर्फ भारत में ही नहीं, अमेरिका में भी गलत असर डाल सकता है। जब वहां के नेता दंगों के आरोपी की तारीफ करते हैं, तो यह वहां मौजूद कट्टर और हिंसक विचारधारा के लोगों का हौसला बढ़ाता है। वे इसे यह कहकर पेश कर सकते हैं कि उनके विचारों को वैश्विक मान्यता मिल रही है। यह लोकतंत्र के लिए घातक संकेत है। लोकतंत्र का अर्थ कानून का शासन है, न कि आरोपियों का महिमामंडन।यह भी याद रखना जरूरी है कि भारत और अमेरिका दोनों ही लोकतांत्रिक देश हैं। लोकतंत्र की बुनियाद एक दूसरे की संस्थाओं के सम्मान पर टिकी होती है। जब कोई विदेशी नेता भारत की न्यायिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े करता है या एक पक्ष को नैतिक ऊंचाई पर बैठाने की कोशिश करता है, तो यह आपसी विश्वास को चोट पहुंचाता है। यह न तो कूटनीतिक मर्यादा के अनुरूप है और न ही जिम्मेदार राजनीति का उदाहरण। मामदानी का पत्र उन तमाम भारतीय नागरिकों की भावनाओं का भी अपमान है जिन्होंने दिल्ली दंगों में अपने परिजन खोए, जिनकी दुकाने जलीं और जिनका जीवन तबाह हुआ। उनके लिए दंगे कोई वैचारिक बहस नहीं, बल्कि एक कड़वी सच्चाई है। ऐसे में दंगों के मास्टरमाइंड की तारीफ करना घावों पर नमक छिड़कने जैसा है। भारत को किसी से प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं कि वह लोकतांत्रिक है या न्यायप्रिय। यहां की अदालतें स्वतंत्र हैं और फैसले सबूतों के आधार पर होते हैं। यदि उमर खालिद निर्दोष है, तो वह अदालत से बरी होगा। यदि दोषी है, तो सजा पाएगा। इसमें किसी विदेशी मेयर के भावनात्मक पत्र की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए। बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि जोहरान मामदानी का यह कदम गैर जिम्मेदार, दखल देने वाला और भड़काऊ है। भारत के आंतरिक मामलों में इस तरह की बयानबाजी बंद होनी चाहिए। लोकतंत्र का सम्मान तभी संभव है, जब हर देश अपनी सीमाएं पहचाने और दूसरों की न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप से बचे। यही संतुलन वैश्विक शांति और आपसी सम्मान की असली कसौटी है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वीबी-जी राम जी : ग्रामीण भारत के उत्थान की नई गारंटी

अब 125 दिन का सुनिश्चित रोजगार, 7 दिन में मजदूरी भुगतान अनिवार्य : मंत्री केदार कश्यप

नारायणपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक और निर्णायक कदम के रूप में Viksit Bharat Guarantee for Rozgar and Ajeevika Mission (Gramin) — VB-G RAM G — ग्रामीण भारत के लिए आर्थिक सुरक्षा और स्वावलंबन की मजबूत नींव रख रही है। इसी कड़ी में सर्किट हाउस, नारायणपुर में वीबी-जी राम जी एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के क्रियान्वयन को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री एवं नारायणपुर विधायक केदार कश्यप ने कहा कि यह योजना केवल रोजगार उपलब्ध कराने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह गांव, गरीब, मजदूर और किसान को आत्मनिर्भर बनाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शी सोच का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार का लक्ष्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना है।

125 दिन का रोजगार : ग्रामीण परिवारों को मजबूत आर्थिक आधार

मंत्री कश्यप ने जानकारी दी कि वीबी-जी राम जी योजना के तहत अब ग्रामीण क्षेत्रों में 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों का रोजगार सुनिश्चित किया गया है। इससे न केवल ग्रामीण परिवारों की वार्षिक आय में वृद्धि होगी, बल्कि उन्हें आर्थिक स्थिरता भी प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि रोजगार के दिनों में की गई यह बढ़ोतरी बेरोजगारी, पलायन और आर्थिक असुरक्षा जैसी समस्याओं को कम करने में मील का पत्थर साबित होगी। इसके साथ ही मजदूरी दर में वृद्धि कर श्रमिकों के श्रम को सम्मानजनक मूल्य प्रदान किया गया है, जिससे श्रमिक वर्ग का जीवनस्तर बेहतर होगा।

7 दिन में मजदूरी भुगतान : श्रमिक अधिकारों की मजबूत सुरक्षा

मंत्री कश्यप ने बताया कि श्रमिकों के हितों को प्राथमिकता देते हुए अब मजदूरी भुगतान की समयसीमा 15 दिन से घटाकर 7 दिन कर दी गई है, जिसे पूरी तरह अनिवार्य किया गया है। यदि किसी कारणवश निर्धारित समय में भुगतान नहीं होता है, तो संबंधित श्रमिकों को अतिरिक्त क्षतिपूर्ति राशि प्रदान की जाएगी। यह व्यवस्था न केवल पारदर्शिता बढ़ाएगी, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही भी सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय मजदूरों के विश्वास को मजबूत करेगा और व्यवस्था में व्याप्त लापरवाही पर प्रभावी अंकुश लगाएगा।

किसानों को राहत : 60 दिन तक कार्य स्थगन का प्रावधान

प्रेसवार्ता में मंत्री कश्यप ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि राज्य सरकार को वीबी-जी राम जी के अंतर्गत 60 दिनों तक कार्य स्थगित रखने का अधिकार होगा। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ एक प्रमुख धान उत्पादक राज्य है, जहां बुआई और कटाई के मौसम में किसानों को श्रमिकों की भारी कमी का सामना करना पड़ता था। इस नए प्रावधान से आवश्यकता पड़ने पर योजना के कार्य अस्थायी रूप से रोककर श्रमिकों को कृषि कार्यों के लिए उपलब्ध कराया जा सकेगा, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिलेगी और कृषि उत्पादन प्रभावित नहीं होगा।

गांव, गरीब और किसान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब, मजदूर और किसान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। सरकार की प्रत्येक योजना गांव और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर केंद्रित है। वीबी-जी राम जी केवल रोजगार योजना नहीं, बल्कि समावेशी विकास, सामाजिक न्याय और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का एक व्यापक अभियान है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सशक्त क्रियान्वयन

मंत्री कश्यप ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार पारदर्शिता, गति और जवाबदेही के साथ जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव सीधे आम जनता तक पहुंचे।

अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्रों के लिए वरदान

मंत्री कश्यप ने विशेष रूप से कहा कि अबूझमाड़ जैसे दुर्गम, वनांचल और पिछड़े क्षेत्रों में वीबी-जी राम जी योजना विकास की नई किरण बनकर उभरेगी। इस योजना के माध्यम से स्थानीय युवाओं और श्रमिकों को रोजगार, सरकारी योजनाओं की जानकारी और सशक्तिकरण के अवसर मिलेंगे, जिससे क्षेत्र का सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य तेजी से बदलेगा। इस अवसर पर जिला पंचायत नारायणपुर के अध्यक्ष नारायण मरकाम, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन देवांगन, भाजपा जिला महामंत्री द्वय संदीप कुमार झा, पंकज जैन, सुदीप झा सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वनमंत्री कश्यप ने किया अबूझमाड़ पीस हॉफ मैराथन 2026 की आधिकारिक टी-शर्ट का विमोचन

नारायणपुर। शांति, एकता और खेल भावना का संदेश देने वाली अबूझमाड़ पीस हॉफमैराथन 2026 की तैयारियां जोर-शोर से प्रारंभ हो चुकी हैं। इसी कड़ी में मैराथन की आधिकारिक टी-शर्ट का विमोचन प्रदेश के कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप के करकमलों से किया गया। इस दौरान मंत्री कश्यप ने महत्वपूर्ण जानकारी दी की पूर्व में निर्धारित 25 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाले इस मैराथन की तिथि में बदलाव करते हुए अब इसका आयोजन 31 जनवरी 2026 को किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि अबूझमाड़ पीस हॉफ मैराथन केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि शांति, सद्भाव और विकास का प्रतीक है। यह मैराथन देश-प्रदेश को यह संदेश देती है कि अबूझमाड़ क्षेत्र खेल, पर्यटन और सकारात्मक ऊर्जा का नया केंद्र बन रहा है। विमोचित टी-शर्ट को मैराथन की थीम के अनुरूप आकर्षक एवं प्रेरणादायी रूप में डिजाइन किया गया है, जो शांति और एकजुटता के संदेश को दर्शाती है। अबूझमाड़ पीस हॉफ मैराथन 2026 के माध्यम से क्षेत्र में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ शांति और विकास के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, जिला पंचायत के अध्यक्ष नारायण मरकाम, नगर पालिका अध्यक्ष इंद्र प्रसाद बघेल, बृजमोहन देवांगन, कलेक्टर नम्रता जैन, पुलिस अधीक्षक रॉबिंसन गुड़िया सहित पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

188वीं वाहिनी सीआरपीएफमें नववर्ष पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

कोण्डागांव। नववर्ष के अवसर पर 188वीं वाहिनी केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के प्रांगण चिखलपुटी में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कमाण्डेंट भवेश चौधरी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान वाहिनी में पदस्थ जवानों ने अपनी कला और सांस्कृतिक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया, जिससे पूरा वातावरण मनोरंजन एवं उल्लास से भर गया। गीत, नृत्य एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अधिकारियों और जवानों का मन मोह लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ वाहिनी मुख्यालय परिसर में बड़ा खाना का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों ने सहभागिता करते हुए भोजन का आनंद लिया। इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी नीतीन्द्रनाथ। द्वितीय कमान अधिकारी अविज्ञान कुमार, उप कमांडेंट दीपक सिंह, उप कमांडेंट कमल सिंह मीणा, सहायक कमांडेंट ओमप्रकाश विश्नोई, सहायक कमाण्डेंट बन्ना राम, सहायक कमाण्डेंट केएच जोयचंद्रा सिंह तथा चिकित्सा अधिकारी राहुल चन्द्रन (आरपी) सहित सभी अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर कमांडेंट भवेश चौधरी ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में भाग लेने वाले कार्मिकों की हौसला-अफजाई करते हुए उन्हें पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। अपने संबोधन में उन्होंने सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए आने वाले वर्ष में और अधिक उत्साह, अनुशासन एवं समर्पण के साथ कर्तव्य निर्वहन का संदेश दिया।

समय सीमा की बैठक : बस्तर पंडूम कार्यक्रम को सफल बनाने कार्य योजना तैयार करें : कलेक्टर जैन

जिले के नियद नेल्लानार क्षेत्र में सभी लोगों का आधार कार्ड सहित सभी आवश्यक दस्तावेज बनाए जाने के निर्देश

नारायणपुर। साप्ताहिक समय सीमा की बैठक कलेक्टर नम्रता जैन ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने समय सीमा के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए शीघ्र निराकरण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। कलेक्टर ने नियद नेल्लनार के कार्यों की समीक्षा करते हुए स्वीकृत निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। कलेक्टर ने आत्मसमर्पित नक्सलियों को राज्य सरकार के पुनर्वास नीति योजनाओं से लाभान्वित करने तथा जिला स्तरीय अधिकारियों को अपने अपने जन्म दिवस पर आश्रम छात्रावास एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में न्योता भोज आओ खुशियां बांटे के तहत् अपने जन्म दिवस मनाने प्रेरित किया। बैठक में कलेक्टर जैन ने उपस्थित अधिकारियों को सूर्य घर योजना बनाने के लिए प्रेरित किया। जिले के नियद नेल्लनार क्षेत्र में सभी लोगों का आधार कार्ड सहित आवश्यक दस्तावेज बनाने के निर्देश दिए। बस्तर पंडूम का सफल आयोजन करने जिला स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए, प्रथम चरण जनपद स्तर पर 10 से 20 जनवरी तक द्वितीय चरण जिला स्तर पर 24 से 29 जनवरी और तृतीय चरण संभाग स्तर पर 2 से 6 फरवरी तक आयोजित किए जाऐंगें। बैठक में कलेक्टर जैन ने प्रधानमंत्री जनमन योजनांतर्गत जिले के आत्म समर्पित नक्सली और नक्सल पीड़ित परिवार के सदस्यों को शासकीय सेवा में नियुक्ति देने तथा पुनर्वास योजना से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर जनदर्शन में दिए गए आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने धान खरीदी केन्द्रों हेतु नियुक्त नोडल अधिकारियों को धान खरीदी केन्द्रों का नियमित रूप से निरीक्षण करने तथा धान उठाव एवं बारदाने की जानकारी लेने निर्देशित किया। कलेक्टर जैन ने विद्यालय परिसर में सूखे एवं गिरे हुए वृक्षों को हटाने एवं शैक्षणिक भवन के सामने भूमि समतलीकरण करने, नालंद परिसर हेतु आबंटित भूमि में स्थिति पेड़ों की कटाई कराये जाने की अनुमति, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल सिंगोड़ीतराई के जर्जर भवन की मरम्मत, राजीव गांधी शिक्षा मिशन अंतर्गत अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य की लंबित किस्त भुगतान किए जाने, उचित ईलाज सुविधा उपलब्ध कराने, प्रेस बायोपिक यूनिफोकल चश्मा प्रदाय करने, नेत्र रोग ओ.पी.डी. में आवश्यक उपकरण एवं दवाईयां उपलब्ध कराने, ग्राम पंचायत धुरबेड़ा के आश्रित ग्राम गुमरका ने नए हैण्ड पंप खनन करने, ग्राम पदमकोट के नदीपारा में पेयजल समस्या के समाधान हेतु नवीन नलकूप खनन करने निर्देशित किए। राष्ट्रीय राजमार्ग 130 डी में पानी के बहाव हेतु छोटी नाली एवं पोल की व्यवस्था करने, सिरपुर के शिवमंदिर के समीप स्थित मंदिर स्थल के निर्माण कार्य को पूर्ण करने, बी.एस.सी नर्सिंग कोर्स संचालित हेतु भवन का चिन्हाकिंत करने, ग्राम करकानार, परलबटटी, इकुनार एव कोटेनार में सड़क, बिजली एवं अस्पताल सुविधा उपलब्ध कराने संबंधित अधिकारियों को निर्देशीत किया। जिले के विद्यार्थीयों का शतप्रतिशत जाति निवास एवं आय प्रमाण पत्र बनाने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया। बखरूपारा से गढ़बेंगाल की जर्जर सड़क पर कार्यवाही करने के निर्देश। राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए मसाहती एवं असर्वेक्षित ग्रामों के राजस्व सर्वेक्षण की प्रगति, गुड गवर्नेंस वीक ''प्रशासन गांव की ओर'' के आयोजन, अबुझमाड़ में लाल पानी की समस्याओं, उन्होंने मोबाईल टॉवरो के स्थापना की प्रगति के संबंध के समीक्षा किया गया। राजस्व विभाग द्वारा पीड़ित परिवारों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता राशि का भुगतान माह के अंत तक कराने निर्देश दिए।

आपदा प्रबंधन की तैयारी को लेकर मॉक ड्रिल 9 जनवरी को

कोण्डागांव। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, गृह मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली तथा छत्तीसगढ़ राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राजस्व, एवं आपदा प्रबंधन विभाग एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण कोण्डागांव के संयुक्त तत्वाधान में जिला कोण्डागांव में बाढ़ से बचाव परिदृश्य पर बैठक 08 जनवरी को तथा 09 जनवरी दिन शुक्रवार को प्रातः 9.30 बजे, स्थान ग्राम पंचायत बम्हनी में बाढ़ परिदृश्य पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। यह मॉक ड्रिल आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने तथा जनता को जागरूक करने के उददेश्य से आयोजित किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि अभ्यास के दौरान शांति बनाये रखें, किसी भी प्रकार की घबराहट से बचें और अफवाहों से बचें तथा दूसरों को सही जानकारी प्रदान करें। साथ ही सभी से अनुरोध किया गया है कि इस मॉक ड्रिल को सफल बनाने में पूरा सहयोग दें।

नेशनल मतसोगी-डो चौंपियनशिप जम्मू-कश्मीर में नारायणपुर के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, जीते पदक

नारायणपुर। जम्मू-कश्मीर के जम्मू यूनिवर्सिटी में 20वीं राष्ट्रीय मतसोगी-डो चौंपियनशिप का आयोजन 28 दिसंबर 2025 से 01 जनवरी 2026 तक किया गया। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 1200 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ से 127 खिलाड़ियों ने सहभागिता कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए टीम चौंपियन का खिताबअपने नाम किया।

प्रतियोगिता में जम्मू को प्रथम स्थान, छत्तीसगढ़ को द्वितीय (रनर-अप) तथा दिल्ली को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में नारायणपुर जिले के 14 खिलाड़ियों ने भी शानदार प्रदर्शन कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया। सीनियर महिला वर्ग में अंजलि कांगे ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। वहीं सब जूनियर वर्ग में श्वेता भौमिक एवं अनुप्रिया बरा ने रजत पदक, जबकि हुनर कश्यप ने कांस्य पदक हासिल किया। इसके साथ ही जीत मांझी, मेहुल दुग्गा, श्रेया सोनी, श्रेयांश भगत, छवि राव, याचना बेलचंदन, खुशहाली वड्डु, तन्वी रगरा, शिवम नांदरे एवं प्रेमांशु डहरिया ने भी सराहनीय प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की ओर से आर. बलराम पुरी एवं संतोष निर्मलकर ने रेफरी के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर कलेक्टर नम्रता जैन ने सभी विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की यह सफलता जिले के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ मतसोगी-डो एसोसिएशन के अध्यक्ष जयनाथ, कार्यकारिणी सदस्य रवि बोरा, टेक्निकल डायरेक्टर संतोष निर्मलकर, प्राचार्य जोमोन टी. डी., केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य सहित जिले के गणमान्य नागरिकों एवं शहरवासियों ने भी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

प्राकृतिक आपदा पीड़ित के वारिसों को 20 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के अंतर्गत प्राकृतिक आपदा पीड़ित के 5 प्रकरणों में वारिसों को 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि प्रदान की गयी। कलेक्टर द्वारा कोण्डागांव तहसील के डी.एन.के. निवासी कुमुद सोनानी की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर पत्नी गंगा सोनानी को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि, कोण्डागांव तहसील के ग्राम चेरंग निवासी लालूराम की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर पुत्री सुमित्रा, पुत्र सुनील, अनिल मलसाय को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि, बड़ेराजपुर तहसील के ग्राम कोंगेरा निवासी सरजूराम की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर पत्नी सामबाई, पुत्र प्रीतम, पुत्री प्रतिमा, पिता हरिराम को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि, बड़ेराजपुर तहसील के ग्राम किबड़ा निवासी रामसाय की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर पत्नी सुरेखा को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि, कोण्डागांव तहसील के ग्राम पल्ली निवासी रामूराम मरकाम की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर पत्नी रतनी बाई मरकाम को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गयी है।

उक्त स्वीकृत आर्थिक सहायता राशि सम्बन्धित वारिसों के बैंक खाते में हस्तांतरित करने के निर्देश सम्बन्धित तहसीलदारों को दिए गए हैं।

मृदा स्वास्थ्य पत्रक अनुरूप उर्वरक उपयोग पर एक दिवसीय प्रशिक्षण व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

कोण्डागांव। कृषि विज्ञान केंद्र, पूर्वी बोरगांव, कोंडागांव में मृदा स्वास्थ्य पत्रक अनुरूप उर्वरक उपयोग विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उददेश्य कृषकों को मृदा स्वास्थ्य पत्रक के महत्व, संतुलित उर्वरक उपयोग तथा जैविक एवं प्राकृतिक खेती की वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करना था, जिससे टिकाऊ कृषि को बढ़ावा दिया जा सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. सुरेश कुमार मरकाम ने की। अपने अध्यक्षीय उदबोधन में उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य ही सतत एवं लाभकारी कृषि का मूल आधार है। यदि मृदा स्वस्थ रहेगी, तभी फसलें स्वस्थ होंगी और किसान की आय में वृद्धि संभव होगी। उन्होंने हरी खाद, फसल अवशेष प्रबंधन तथा जैविक उर्वरकों के प्रयोग पर विशेष जोर देते हुए बताया कि इन उपायों से मृदा में कार्बनिक पदार्थ की मात्रा बढ़ाई जा सकती है। साथ ही मृदा स्वास्थ्य पत्रक की सिफारिशों के अनुसार उर्वरक एवं सूक्ष्म तत्वों का संतुलित उपयोग करने से न केवल उत्पादन लागत कम होती है, बल्कि फसल उत्पादकता एवं गुणवत्ता में भी सुधार होता है। डॉ. मरकाम ने मृदा को मानव जीवन का आधार बताते हुए भावी पीढ़ियों के हित में मृदा संरक्षण एवं वैज्ञानिक फसल चक्र अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, कांकेर से पधारे डॉ. कोमल सिंह केराम ने राज्य एवं जिले की मिट्टी की भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने उर्वरक उपयोग की वैज्ञानिक विधियाँ, प्राकृतिक स्रोतों से खाद निर्माण, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, वर्मी कम्पोस्टिंग तथा मृदा गुणवत्ता प्रबंधन जैसे विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मृदा गुणवत्ता को बनाए रखते हुए उत्पादन बढ़ाना आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जिले के उप संचालक कृषि कैलाश मरकाम ने विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए कृषकों को उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप साग-सब्जी, मक्का, धान, दलहन एवं तिलहन आधारित फसल चक्र अपनाने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विविधीकृत खेती से जोखिम कम होता है और किसानों की आय के नए स्रोत विकसित होते हैं। कृषि विज्ञान केंद्र, कांकेर के पादप रोग वैज्ञानिक डॉ. उपेंद्र कुमार नाग ने फसलों में लगने वाले प्रमुख कीट एवं रोगों की पहचान तथा उनके नियंत्रण हेतु समन्वित कीट-रोग प्रबंधन पर जोर दिया। उन्होंने जिले में प्रमुख रूप से पाई जाने वाली फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों के जैविक एवं रासायनिक नियंत्रण की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

केदार कश्यप ने कहा : अबूझमाड़ के दूरस्थ अंचलों तक योजनाएं पहुंच रही हैं, पर्यटन से समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे

नारायणपुर। अबूझमाड़ क्षेत्र में विकास की नई किरणें फूट रही हैं। नारायणपुर विधायक और छत्तीसगढ़ सरकार के कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप के निरंतर प्रयासों से अबूझमाड़ के लगभग 4000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के दूर-दराज के गांवों तक केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावी रूप से पहुंच रही हैं। इससे स्थानीय जनजीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है और क्षेत्र की प्रगति को नयी गति मिल रही है। केदार कश्यप ने बताया कि अबूझमाड़ क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विरासत से समृद्ध है। यहां के कच्चापाल, हांदावाडा, फरसबेड़ा सहित कई जलप्रपात, झरने और नदियाँ पर्यटकों को आकर्षित कर रही हैं। वर्तमान में सोशल मीडिया पर इन जगहों के वीडियो और फोटो तेजी से वायरल हो रहे हैं, जो पर्यटन विकास के लिए सकारात्मक संकेत हैं। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य है कि अबूझमाड़ को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए, जिससे न केवल यहां के प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होगा बल्कि स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। साथ ही, केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की विष्णु देव साय के सुशासन में इस क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। केदार कश्यप ने कहा कि अबूझमाड़ के दूरस्थ इलाकों में सरकार की योजनाएं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, स्वच्छता आदि प्रभावी रूप से पहुंच रही हैं। क्षेत्रवासियों को इसका पूरा लाभ मिल रहा है, जिससे उनकी जीवनशैली बेहतर हो रही है। इस क्षेत्र में मौजूद गारपा गांव का वह प्रसिद्ध जल स्रोत, जो शिव मंदिर के पास स्थित है, लगातार 365 दिन 24 घंटे निर्बाध बहता रहता है और यह स्थानीय लोगों के लिए आस्था और जीवनदायिनी साबित हो रहा है। केदार कश्यप ने जनता से अपील की कि वे अपनी प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करें और पर्यटन विकास में सक्रिय सहयोग दें। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे हर संभव प्रयास करेंगे ताकि अबूझमाड़ न सिर्फ छत्तीसगढ़ के लिए बल्कि पूरे देश के लिए एक चमकता हुआ पर्यटन केंद्र बन सके। अबूझमाड़ के विकास से न केवल यहां के लोग सशक्त होंगे, बल्कि यह क्षेत्र आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी नई ऊंचाइयों को छुएगा।

कलेक्टर ने किया बिंजली डेम एवं माहका ऑडिटोरियम का औचक निरीक्षण

नारायणपुर। कलेक्टर नम्रता जैन ने बिंजली डेम एवं माहका ऑडिटोरियम का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आपदा प्रबंधन एवं बचाव कार्यों के तहत आयोजित मॉक ड्रील का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मॉक ड्रील के पश्चात कलेक्टर ने बिंजली डेम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर जैन ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उनकी आमदनी बढ़ाने के उद्देश्य से डेम परिसर में शेड निर्माण करने के निर्देश जनपद पंचायत सीईओ सुनील कुमार सोनपिपरे को दिए। उन्होंने किचन शेड रूम का निरीक्षण करते हुए महिलाओं को नियमित कार्य उपलब्ध कराने तथा डेम में नाव संचालन प्रारंभ करने के निर्देश दिए, जिससे पर्यटकों में उत्साह बढ़े और समूह की महिलाओं को बेहतर आय प्राप्त हो सकें। कलेक्टर ने सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देते हुए शनिवार एवं रविवार को डेम परिसर में गोताखोरों की ड्यूटी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। साथ ही नहर का जायजा लेते हुए नहर के पानी में उगे घास एवं झाड़ियों की साफ-सफाई कराने के निर्देश जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता अशोक चौधरी को दिए। उन्होंने डेम परिसर में पार्किंग स्थल विकसित करने तथा पर्यटकों को वाहन पार्किंग में सुविधा मिल सके। इसके पश्चात उनके द्वारा डेम के जलभराव क्षेत्र का अवलोकन कर वहां भी साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए गए। बिंजली डेम निरीक्षण के पश्चात कलेक्टर नम्रता जैन ने माहका स्थित ऑडिटोरियम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने ऑडिटोरियम परिसर में संचालित महिला एवं बाल विकास विभाग की चाइल्ड हेल्पलाइन का जायजा लिया तथा परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ऑडिटोरियम के प्रवेश द्वार पर बने गार्ड रूम में गार्ड की ड्यूटी लगाने के निर्देश जनपद सीईओ को दिए। निरीक्षण के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी लुपेंद्र महिलांग एवं निज सहायक दीपक हिरवानी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

जीवनदीप समिति की बैठक 15 जनवरी को

बिलासपुर। राज्य मानसिक चिकित्सालय सेंदरी के जीवनदीप समिति की बैठक संभागायुक्त श्री सुनील जैन की अध्यक्षता में 15 जनवरी को दोपहर 12 बजे से राज्य मानसिक चिकित्सालय सेंदरी के सभाकक्ष में होगी। बैठक में संबंधित अधिकारियों को उपस्थित होने के निर्देश दिए गए है।

जिला स्तरीय सतर्कता मॉनिटरिंग समिति की बैठक 15 को

बिलासपुर। जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में 15 जनवरी को शाम 4 बजे आयोजित की गई है। बैठक में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत वर्ष 2025-26 में दर्ज प्रकरणों के निराकरण (स्वीकृत राशि/वितरित राशि) की स्थिति पर एवं अधिनियम के तहत न्यायालय में लंबित प्रकरणों पर चर्चा की जाएगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल में अंतर विद्यालयीन सांस्कृतिक (नाटक) रंग-मंच एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा रेलवे स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को कला, संस्कृति एवं नाट्य विधाओं के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने तथा उनकी सृजनात्मक प्रतिभा को बेहतर मंच प्रदान करने के उद्देश्य से नियमित रूप से अंतर मंडलीय एवं अंतर विद्यालयीन सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में वर्ष 2025 की अंतर विद्यालयीन सांस्कृतिक प्रतियोगिता (नाटक) का सफल आयोजन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा रेल क्लब ऑडिटोरियम, बिलासपुर में किया गया। इस प्रतियोगिता में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल बीएमवाई, रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल डोंगरगढ़, रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल नैनपुर, रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल शहडोल तथा रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल बिलासपुर नं.01 एवं बिलासपुर नं.02 के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ. अंशुमान मिश्रा द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा नाटक, मोनो एक्ट एवं मिमिक्री की प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दी गईं। विद्यार्थियों ने सामाजिक, नैतिक एवं प्रेरणादायक विषयों पर आधारित प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी उत्कृष्ट अभिनय क्षमता का परिचय दिया, जिससे उपस्थित दर्शक भावविभोर एवं मंत्रमुग्ध हो उठे। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रतिष्ठित रंगकर्मी श्री रोहित वैष्णव, श्री भुनेश्वर महिपाल एवं सुश्री मयूरी चक्रवर्ती शामिल रहे। नाटक प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल बिलासपुर नं. 01, द्वितीय पुरस्कार रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल बिलासपुर नं.02 तथा तृतीय पुरस्कार रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल बीएमवाई को प्रदान किया गया। मोनो एक्ट प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल डोंगरगढ़, द्वितीय पुरस्कार रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल बिलासपुर नं.02 तथा तृतीय पुरस्कार रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल बिलासपुर नं.01 को प्राप्त हुआ। मिमिक्री प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल बीएमवाई, द्वितीय पुरस्कार रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल बिलासपुर नं.01 एवं तृतीय पुरस्कार रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल बिलासपुर नं. 02 को मिला। चित्रकला प्रतियोगिता इसी क्रम में बुधवारी बाजार प्राइमरी स्कूल में इंटर डिवीजन ड्राइंग, पेंटिंग एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन चार श्रेणियों- कक्षा 1-5, कक्षा 6-8, कक्षा 9-12 एवं कर्मचारी वर्ग में विभाजित कर किया गया कक्षा 1-5 वर्ग में इप्शिता साहा (बिलासपुर) ने प्रथम, साक्षी कुमारी (बिलासपुर) ने द्वितीय एवं सहर्ष राज (बिलासपुर) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 6-8 वर्ग में अर्णव प्रवीण चोपकर (रायपुर) प्रथम, मान्या रजक (बिलासपुर) द्वितीय तथा गुंजन साहू तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा 9-12 वर्ग में ईशिका साहा (बिलासपुर) ने प्रथम, प्रिया धीमर (बिलासपुर) ने द्वितीय एवं लक्ष्मी खत्री (बिलासपुर) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कर्मचारी वर्ग में अनुष्का रजक (बिलासपुर) ने प्रथम तथा पवन कुमार (नागपुर) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता को तीन श्रेणियों में आयोजित किया गया। कक्षा 6-8 वर्ग में आयुषी कुमारी (बिलासपुर) प्रथम, रिमझिम धुव्र (बिलासपुर) द्वितीय एवं जाहन्वी कायल (बिलासपुर) तृतीय स्थान पर रहीं। कक्षा 9-12 वर्ग में अनुपमा केवट (बिलासपुर) ने प्रथम, हर्षिता कैवर्त (बिलासपुर) ने द्वितीय एवं अंशु सिंह (डोंगरगढ़) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कर्मचारी वर्ग में तुमनलाल (रायपुर) प्रथम, अंतकला गजभिए (नागपुर) द्वितीय एवं कविता आर. मेश्राम (नागपुर) तृतीय स्थान पर रहीं। इन प्रतियोगिताओं में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन के तीनों मंडलों-बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर के लगभग 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें बिलासपुर मंडल विजेता रहा। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि डॉ. अंशुमान मिश्रा ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में भागीदारी से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है।

सीवीआरयू में लगा बाल विज्ञान पर्व,50 स्कूल के 285 छात्रों ने दिखाए अपने मॉडल

विज्ञान प्रदर्शनी से छात्रों में बढ़ती है रचनात्मकता,समाज व पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी भी समझते हैं : प्रो.अग्रवाल....

बिलासपुर / डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए शोध शिखर कार्यक्रम के अंतर्गत बाल विज्ञान पर्व 2026 का आयोजन किया गया। इस विज्ञान पर्व का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को विकसित करना है। कार्यक्रम का मुख्य विषय इनोवेशन फॉर इंपैक्ट: एडवांसिंग ग्रीन टेक्नोलॉजी एंड सस्टेनेबल गोल्स फ़ॉर विकसित भारत रखा गया, जो वर्तमान समय की वैश्विक और राष्ट्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप है।

इस बाल विज्ञान पर्व में प्रदेश के 50 से अधिक स्कूलों ने भाग लिया, जिसमें लगभग 285 विद्यार्थियों ने अपने-अपने विज्ञान मॉडलों के माध्यम से प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने कक्षा 9वीं से 12वीं के स्तर पर रहते हुए जिस प्रकार से जटिल वैज्ञानिक अवधारणाओं को सरल, रचनात्मक और उपयोगी रूप में प्रस्तुत किया, उसने सभी अतिथियों, शिक्षकों और अभिभावकों को प्रभावित किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि इग्नू के प्रोफेसर संजय अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार के विज्ञान पर्व विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे न केवल उनकी रचनात्मक क्षमता बढ़ती है, बल्कि वे समाज और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी समझते हैं। भविष्य के वैज्ञानिक, इंजीनियर और नवोन्मेषक इसी प्रकार के मंचों से तैयार होते हैं। विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ अरविंद तिवारी ने कहा कि कि आज का भारत तभी विकसित राष्ट्र बन सकता है, जब उसकी युवा पीढ़ी विज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़े। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रयोगधर्मी शिक्षा अपनाने और समाज की समस्याओं के समाधान के लिए विज्ञान का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक मॉडल बनाकर सबके सामने रखा है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, वेस्ट मैनेजमेंट, ओजोन परत संरक्षण, बिजली बचत और ग्रीन एनर्जी

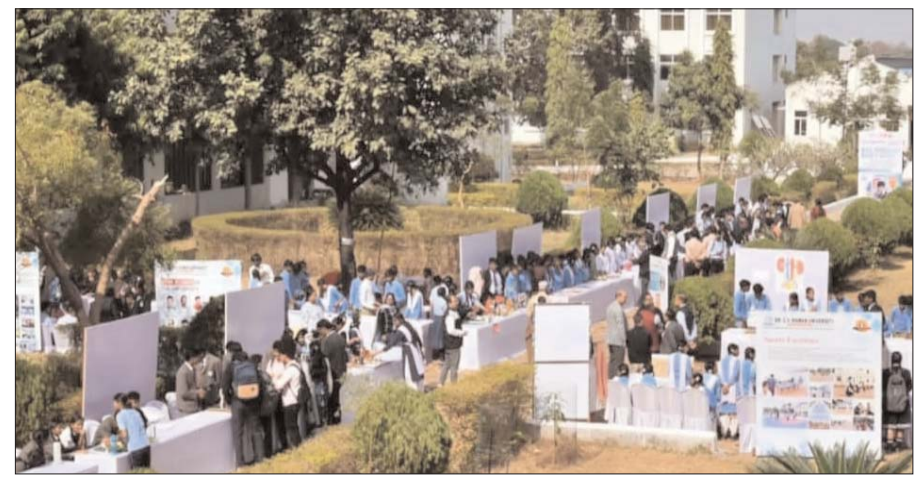

से जुड़े कई प्रभावशाली मॉडल प्रस्तुत किए। कुछ छात्रों ने सौर ऊर्जा आधारित उपकरणों का प्रदर्शन किया, जो कम लागत में अधिक ऊर्जा उत्पादन की क्षमता दिखाते हैं। वहीं, जल संरक्षण पर आधारित मॉडलों ने यह संदेश दिया कि सीमित जल संसाधनों का सही प्रबंधन ही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

ग्रामीण विकास को ध्यान में रखते हुए कई विद्यार्थियों ने स्मार्ट विलेज की अवधारणा पर आधारित मॉडल बनाए। इन मॉडलों में स्मार्ट स्ट्रीट लाइट, सोलर पैनल, स्वच्छ जल आपूर्ति, कचरा प्रबंधन और डिजिटल सेवाओं को एकीकृत रूप में दर्शाया गया। इसके अलावा स्मार्ट पार्किंग सिस्टम पर आधारित मॉडलों ने शहरी समस्याओं के समाधान की दिशा में विद्यार्थियों की सोच को उजागर किया। तकनीकी नवाचार के अंतर्गत सॉइल वॉटर सेंसर, हाइड्रॉलिक लिफ्ट, सेंसर गॉगल और स्वचालित उपकरणों के मॉडल भी आकर्षण का केंद्र रहे। सॉइल वॉटर सेंसर पर आधारित मॉडल ने यह बताया कि किस प्रकार मिट्टी में नमी की मात्रा को मापकर फसलों की सिंचाई को नियंत्रित किया जा सकता है, जिससे जल की बचत के साथ-साथ कृषि उत्पादन भी बढ़ाया जा सकता है।

अंतरिक्ष विज्ञान में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों ने चंद्रयान मिशन पर आधारित मॉडल प्रस्तुत किए। इन मॉडलों के माध्यम से छात्रों ने भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों को दर्शाते हुए यह बताया कि किस प्रकार वैज्ञानिक अनुसंधान देश की तकनीकी प्रगति को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा है। यह मॉडल विद्यार्थियों की वैज्ञानिक समझ और राष्ट्रीय गौरव की भावना को भी दर्शाते हैं।

पूरे आयोजन के दौरान विश्वविद्यालय परिसर विज्ञान प्रदर्शनी स्थल में परिवर्तित नजर आया। हर मॉडल के साथ विद्यार्थी स्वयं खड़े होकर उसकी कार्यप्रणाली समझा रहे थे। निर्णायक मंडल ने मॉडलों का मूल्यांकन नवाचार, उपयोगिता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और प्रस्तुति के आधार पर किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और स्कूलों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए अतिथि निर्णायक के रूप में विश्वविद्यालय निर्णायक डॉ अमित शुक्ला कृषि वरिष्ठ वैज्ञानिक, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, डीपी विप्र महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ विवेक अंबलकर, ,और आरके पांडे प्राध्यापक गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय उपस्थित थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार घोष ने कहा कि सीखना तभी फलीभूत होता है जब आप उसे अच्छे से अच्छा प्रेजेंट कर सकें उन्होंने कहा इस कार्यक्रम का उद्देश्य शोध के लिए आप सभी को आगे ले जाना है हम चाहते हैं कि आपकी कल्पनाओं को नया आयाम मिले। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अरविंद कुमार तिवारी, संकुलपति डॉ जयंती चटर्जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ एके श्रीवास्तव रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ शालिनी पांडे ने किया। वोट ऑफ थैंक्स' डॉ. रश्मी वर्मा विभागाध्यक्ष रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. सी वी रमन विश्वविद्यालय द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया।

पुरस्कार पाकर खिले चेहरे

कक्षा 9वी

प्रथम पुरस्कार- पीएम श्री डीकेपी कोटा,

द्वितीय पुरस्कार -आधारशिला स्कूल बिलासपुर

तृतीय पुरस्कार -इंडस पब्लिक स्कूल कोरबा

कक्षा 10वीं

प्रथम पुरस्कार- इंडस पब्लिक स्कूल कोरबा

द्वितीय पुरस्कार -गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल नेवरा

-तृतीय पुरस्कार- गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल नेवरा

कक्षा 11वीं

प्रथम पुरस्कार- पीएम श्री डीकेपी कोटा।

द्वितीय पुरस्कार- सेंट विंसेंट पालिटी स्कूल बिलासपुर

तृतीय पुरस्कार- गवर्नमेंट स्कूल उसलापुर

कक्षा 12वीं

प्रथम पुरस्कार -भारत माता स्कूल बिलासपुर

द्वितीय पुरस्कार- भारत माता स्कूल बिलासपुर

तृतीय पुरस्कार- कर्नल अकैडमी स्कूल बिलासपुर,

एसईसीएल और श्री सत्य साईं ट्रस्ट की साझेदारी से नवा रायपुर में बनेगा हेल्थकेयर स्किल डेवलपमेंट सेंटर.....

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के कोल बेल्ट में स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगारपरक कौशल विकास को नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने श्री सत्य साईं हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर दिनांक 07 जनवरी 2026 को हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत नवा रायपुर, छत्तीसगढ़ में ?35.04 करोड़ की लागत से एक आधुनिक हेल्थकेयर स्किल डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना की जाएगी। यह परियोजना एसईसीएल की कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के अंतर्गत संचालित होगी। यह संस्थान सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित युवाओं को नि:शुल्क और रोजगारोन्मुख स्वास्थ्य प्रशिक्षण प्रदान करेगा। यहां नर्सिंग असिस्टेंट,

मेडिकल टेक्नीशियन तथा अन्य सहयोगी स्वास्थ्य क्षेत्रों में कौशल विकास किया जाएगा, जिससे न केवल युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ेगी बल्कि ग्रामीण और कोयला प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी। प्रस्तावित परिसर में शैक्षणिक भवन, छात्रावास, स्टाफ आवास एवं अन्य आवश्यक अधोसंरचनाएं विकसित की जाएंगी। एसईसीएल के परिचालन जिलों के अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। अगले 25 वर्षों तक प्रतिवर्ष प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों में से कम से कम 20 प्रतिशत सीटें इन्हीं जिलों के लिए आरक्षित रहेंगी, जिसे प्रदर्शन के आधार पर आगे बढ़ाया जा सकेगा। यह एमओयू एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास की उपस्थिति में संपन्न हुआ। समझौते पर एसईसीएल की ओर से महाप्रबंधक (सीएसआर) श्री सीएम वर्मा तथा श्री सत्य साईं हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री विवेक नारायण गौर ने हस्ताक्षर किए। एसईसीएल और श्री सत्य साईं ट्रस्ट पहले से ही 'एसईसीएल की धड़कन' स्वास्थ्य पहल के अंतर्गत साझेदारी कर रहे हैं, जिसके तहत जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों की नि:शुल्क सर्जरी कराई जा रही है। इस योजना के अंतर्गत अब तक 180 से अधिक सफल जीवनरक्षक सर्जरी की जा चुकी हैं, जिससे कोयला क्षेत्रों के कई जरूरतमंद परिवारों को राहत मिली है। उल्लेखनीय है कि एसईसीएल ने छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, अधोसंरचना और सामुदायिक कल्याण के लिए अब तक ?850 करोड़ से अधिक की राशि सीएसआर के तहत व्यय की है। यह नई पहल छत्तीसगढ़ में समावेशी विकास, मानव संसाधन निर्माण और सतत सामाजिक प्रगति के प्रति एसईसीएल की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करती है।

रायपुर रेल मंडल के रायपुर रेलवे स्टेशन पर पहली बार स्वस्थ वेटिंग लाउंज की सुविधा

- रायपुर स्टेशन पर स्वस्थ वेटिंग लाउंज का शुभारंभ चंद्रकांत बलावंत एवं ओजस्वी एवं आरुषि यात्रियों ने किया
- रायपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 01 पर स्वस्थ वेटिंग लाउंज की सुविधा

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में रायपुर स्टेशन पर पहली बार स्वस्थ वेटिंग लाउंज की सुविधा यात्रियों को मिलने जा रही है भारतीय रेलवे में नई, अभिनव गैर-किराया राजस्व विचार योजना NINFRIS (New, Innovative Non-Fare Revenue Ideas Scheme) के तहत इसकी प्लानिंग की गई है। आज इस सुविधा का शुभारंभ रायपुर से बड़ोदरा जा रहे यात्री श्री चंद्रकांत बलावंत और रायपुर से उज्जैन जा रही दो लड़कियां ओजस्वी एवं आरुषि यात्रियों ने किया। स्वस्थ वेटिंग लाउंज शुरू होने से यात्रियों को ट्रेनों का इंतजार करते समय आरामदायक सुविधा मिलेगी जिससे यात्री योगा मेडिटेशन, मिनी फिटनेस, आरामदायक सोफा, प्रीमियम रीक्लिनर मसाज सोफा, यात्रियों को शुल्क बेसिस पर एंबुलेंस की सुविधा, हेल्दी फूड जो की मिलेट्स आधारित होंगे, सामान्य स्वस्थ जांच यात्री कर सकेंगे, अपना वेट, बी पी जांच, महिला एवं पुरुष के लिए अलग-अलग बाथरूम एवं टॉयलेट की सुविधा। लाइट एक्सरसाइज इक्विपमेंट, मोबाइल लैपटॉप चार्जिंग की सुविधा, लाइव ट्रेन इनफॉरमेशन डिस्प्ले, फ्री हाई स्पीड वाय - फाई एक्सेस इत्यादि की सुविधा यात्रियों को मिलेगी। आरामदायक सीटें और शांत वातावरण यात्रियों को आराम करने, योगा या मेडिटेशन के लिए जगह होने से यात्री अपने मानसिक स्वास्थ्य लाभ पा सकेंगे । एक ही जगह पर कई सुविधाएं उपलब्ध होने से यात्रियों का समय बचेगा। और वे अपने ट्रेन के इंतजार को अधिक आरामदायक बना सकते हैं। इन सुविधाओं से यात्रियों को अपने ट्रेन के इंतजार के दौरान अधिक आराम और सुविधा मिलेगी, और वे अपने गंतव्य स्थान पर अधिक ताजगी और ऊर्जा के साथ पहुंचेंगे। विभिन्न सुविधाओं के उपयोग हेतु यात्रियों से निम्नानुसार शुल्क लिया जाएगा। लाउंज में प्रवेश के लिए एक घंटे की अवधि हेतु ?30/- दो घंटे की अवधि हेतु ?60/- चार घंटे की अवधि हेतु ?80/- निर्धारित किया गया है।

बिलासपुर में आयोजित वार्तालाप में जी-राम-जी अधिनियम,2025 की बारीकियों पर हुई चर्चा, ग्रामीण विकास को मिली नई दिशा...

- गाँव सशक्त होंगे, तभी साकार होगा विकसित भारत का संकल्पकेंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू
- अधिनियम के तहत अब गाँव ही बनेगा विकास, निर्णय और जवाबदेही का मुख्य केंद्र

बिलासपुर। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आज छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक दिवसीय क्षेत्रीय मीडिया कार्यशाला 'वार्तालाप' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री श्री तोखन साहू मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यशाला का मुख्य विषय 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)' रखा गया, जो ग्रामीण भारत के आर्थिक और सामाजिक कायाकल्प की दिशा में केंद्र सरकार की एक युगांतकारी पहल है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री साहू ने कहा कि जी-राम-जी अधिनियम, 2025 केवल एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास को 'विकसित भारत' के संकल्प से जोड़ने वाली एक आधुनिक रूपरेखा है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इस मिशन की पृष्ठभूमि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बिचौलियों से मुक्त करने, सीधा लाभ हस्तांतरण सुनिश्चित करने और ग्राम सभाओं को निर्णय लेने हेतु वास्तविक शक्ति प्रदान करने पर टिकी है। मिशन की पृष्ठभूमि और इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि यह अधिनियम पारंपरिक रोजगार योजनाओं की सीमाओं

को लांघते हुए अब 100 के स्थान पर 125 दिनों के सुनिश्चित रोजगार की गारंटी देता है। साथ ही, श्रमिकों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए मजदूरी भुगतान की प्रक्रिया को और अधिक तीव्र करते हुए इसे साप्ताहिक (07 दिन) कर दिया गया है। यह मिशन न केवल रोजगार सृजन पर केंद्रित है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक बुनियादी ढांचे और स्थायी उत्पादक संपत्तियों के निर्माण के माध्यम से गाँव के अंतिम व्यक्ति की आय में वृद्धि करने हेतु प्रतिबद्ध है। श्री साहू ने आगे बताया प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का 'विकसित भारत ञ2047' का विजन अत्यंत सराहनीय है और हम सभी एकजुट होकर एक विकसित और समृद्ध भारत के निर्माण के लिए कार्य करेंगे। जी-राम-जी अधिनियम के तहत अब ग्राम पंचायतों को उनके विकास मापदंडों के आधार पर, क और ष्ट श्रेणियों में विभाजित किया जाएगा । ग्रामीण विकास को नई गति देने के लिए अब ग्राम पंचायतों को 'पीएम गति शक्ति मिशन' से जोड़ा जा रहा है, जिससे विभिन्न लाइन विभागों के साथ मिलकर एकीकृत योजना के तहत कार्यों का चयन और निष्पादन सुनिश्चित होगा । हमारा लक्ष्य तकनीक और दूरदर्शिता के समन्वय से गाँव के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाना है। कार्यक्रम के दौरान बिलासपुर जिला पंचायत की सहायक परियोजना अधिकारी (मनरेगा) अनुराधा शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा विकसित भारत जी-राम-जी मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में आय की सुरक्षा और स्थिरता के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा।

अच्छा समय शुरू होने के संकेत

प्रकृति कई बार हमें कुछ संकेतों के जरिए बताती है कि आने वाला समय कैसा होगा। ऐसे में आज हम आपको बताने वाले हैं कि अच्छा समय शुरू होने से पहले क्या संकेत आपको मिलते हैं। हर व्यक्ति चाहता है कि उसके जीवन की सभी परेशानियां दूर हों और अच्छा समय आए। अगर आपकी भी ये चाहत है और आपको कुछ विशेष संकेत दिख रहे हैं तो समझ जाइए कि आपका अच्छा समय जल्द ही शुरू होने वाला है। आज हम आपको उन्हीं संकेतों के बारे में बताने जा रहे हैं जो अच्छा समय शुरू होने से पहले आपको दिख सकते हैं। आइए विस्तार से जानते हैं इनके बारे में।

शंख की आवाज

अगर आपको सुबह या शाम के समय बार-बार शंख की ध्वनि सुनाई देना शुरू हो जाए तो समझ जाइए अब बुरा समय खत्म होने वाला है। शंख की ध्वनि का सुनाई देना या ऐसा प्रतीत होना की कहीं शंख बज रहा है बेहद शुभ माना जाता है। ऐसा होने पर आपके जीवन में सुख समृद्धि आती है।

चिड़िया का घोसला

अगर आपके घर में चिड़िया आकर घोसला बना दे तो समझ जाइए आपका अच्छा समय जल्द ही शुरू होने वाला है। इसे शुभ संकेतक माना जाता है। आपके घर में चिड़िया का घोसला बनाना इस बात का प्रतीक है कि मां लक्ष्मी धन-धान्य से आपकी झोली भर देंगी। चिड़िया के द्वारा बनाए गए घोसले को आपको तोड़ना नहीं चाहिए, ऐसा करने से परेशानियां आपके जीवन में पैदा हो सकती हैं।

काली चींटियों का घर में आना

अगर आपके घर में काले रंग की चींटियां आएं और एक गोल घेरा बनाकर कुछ खाती आपको दिखाई दें तो इसे शुभ संकेत माना जाता है। इसका अर्थ है कि जीवन में आप अब प्रगति करेंगे और आपकी सारी समस्याओं का समाधान होगा।

उल्लू का दिखाई देना

उल्लू को माता लक्ष्मी का वाहन माना जाता है। ऐसे में आपको रात्रि के समय अगर उल्लू दिखाई देता है तो इसे भी शुभ संकेत माना जाता है। खासकर सफेद उल्लू का दिखना बेहद शुभ होता है। ऐसा होने पर माता लक्ष्मी की कृपा आप पर बरसती है और जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं।

किचन में न रखें ये चीजें

रसोई घर या किचन की ऊर्जा सकारात्मक होना बेहद जरूरी है। वहीं, कई बार हम जाने-अनजाने में रसोई घर में ऐसी चीज रख देते हैं, जिनसे नेगेटिव ऊर्जा का संचार होता है। किचन की नेगेटिव एनर्जी आपके भोजन को भी प्रभावित कर सकती है, जिससे स्वास्थ्य पर भी असर पड़ सकता है। इसलिए खुद को और परिवार को स्वस्थ रखने और घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने के लिए किचन में रखी इन चीजों को आज ही बाहर निकाल दें।

- कभी भी किचन में ज्यादा समय तक गुथा हुआ आटा नहीं रखना चाहिए। फ्रिज या किचन में रात भर के लिए गुथा हुआ आटा रखने से राहु और शनि के बुरा प्रभाव झेलने पड़ सकते हैं साथ ही नेगेटिव ऊर्जा भी बढ़ जाती है।
- कुछ लोग अपने किचन को सजाने के लिए शीशे का इस्तेमाल करते हैं। वहीं, किचन में लगा कांच का शीशा नेगेटिव ऊर्जा का कारण बन सकता है। रसोई घर में आईना लगाने से घर की सुख-शांति छिन सकती है।
- किचन में गंदगी नकारात्मक ऊर्जा का कारण बनती है। वहीं, कभी भी रात में किचन में जूठे बर्तन नहीं छोड़ने चाहिए। रातभर किचन में जूठे बर्तन रखने से मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं और आपकी आर्थिक स्थिति भी डगमगा सकती है।
- कुछ लोगों को किचन में दवाइयां रखने की आदत होती है। घर के रसोई में दवाइयां रखने से घर के सदस्यों खासतौर पर मुखिया की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए रसोई घर में दवाइयां न रखें।

आंखों पर ठंड का असर

सर्दियों के मौसम का कहर जारी है और उत्तर भारत में लोग ठंड से सिकुड़ रहे हैं। ऐसे में खानपान का और बॉडी का खास ख्याल रखने के लिए एक्सपर्ट बता रहे हैं। शरीर को केवल बाहरी लेयर से ही नहीं बल्कि अंदर से मजबूत बनाने की जरूरत होती है। जिससे कि इम्यूनिटी मजबूत रहे और शरीर गर्म रहे जिससे ठंड ना लगे। बॉडी के सारे अंगों की तरह ही आंखों की देखभाल भी जरूरी होती है। अक्सर घर से बाहर निकलते वक्त हम शरीर को तो अच्छी तरह से प्रोटेक्ट कर लेते हैं। लेकिन आंखों पर जरा भी ध्यान नहीं देते। जिसकी वजह से कई बार आंखों में ठंड लग जाती है और इन परेशानियों का सामना करना पड़ता है। तो चलिए जानें ठंड लग जाने पर आंखों में कौन सी दिक्कतें नजर आती हैं और इनसे कैसे बचा जाए।

ठंड लगने पर आंखों में दिखते हैं ये लक्षणः

ठंड की वजह से हवाओं में नमी नहीं रहती। वहीं घर के अंदर भी लोग हीटर, ब्लोअर चलाकर रखते हैं जिससे कि कमरा गर्म रहे। ऐसे में आंखों पर इसका बुरा असर पड़ता है और आंखों के नेचुरल टीयर्स खत्म होने लगते हैं। ऐसे में ये लक्षण दिखते हैं।

- आंखों में ड्राइनेस महसूस होती है।
- आंखों में खुजलाहट होती है

और इरिटेशन महसूस होती है।

- इसके साथ ही आंखों में लालपन रहता है और कई बार दर्द भी महसूस होता है।
- कम तापमान की वजह से वायरस तेजी से फैलते हैं और आंखों में ठंड की वजह से कई बार कंजेटिवाइटिस होने का भी डर रहता है।
- अगर आप बहुत ज्यादा देर ठंड में बाहर हैं और लगातार आंखों में सर्द हवाएं लग रही हैं तो इनकी वजह से कॉर्निया को भी नुकसान हो सकता है।

ठंड से आंखों को कैसे बचाएंः

- घर से निकलने के साथ ही सनग्लासेज जरूर लगाएं। ये चश्मे ना केवल धूप से बचाते हैं बल्कि सर्द हवाओं को सीधे आंखों पर लगने से भी प्रोटेक्ट करते हैं।
- आंखों में लूब्रिकेटिव आई ड्रॉप्स डालें, जिससे आंखों में ड्राइनेस की समस्या खत्म हो।
- घर और ऑफिस में जलने वाले हीटर और गर्माहट फैलाने वाली चीजों की वजह से ड्राइनेस हो जाती है। ऐसे में आंखों को मॉइश्चर देना जरूरी है।
- आंखों को बार-बार झपकाते रहें, जिससे कि आंखों में मॉइश्चर बना रहे।
- पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें भले ही प्यास ना लगे। इससे आंखों में भी मॉइश्चर बना रहता है।
- विटामिन एक, सी और ई से भरपूर फूड्स खाएं। गाजर, आंवला, मटर, सेम, चुकंदर, फूलगोभी, ये सारे फूड्स आंखों के लिए फायदेमंद है।

बच्चों के लिए हो प्यार भरा माहौल

माता-पिता को अपने बच्चे को सुरक्षित तथा प्यार भरा माहौल भी देना होगा,ताकि वे अपनी समस्याओं से अकेले जूझने की बजाय सहजता से अपनी समस्याएं और मन की बातें आपके साथ साझा कर सकें। बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति अब जागरूकता फैलाने की जरूरत है। विशेषज्ञों के अनुसार माता-पिता को अपने बच्चे को सुरक्षित और खुशनुमा माहौल तैयार करना होगा, क्योंकि ज्यादातर समय बच्चों का अपने पैरेंट्स के साथ घर में बीतता है। ऐसे में हर माता-पिता को अपने नन्हें-मुन्ने बच्चों का ख्याल रखना जरूरी है, ताकि वे भविष्य में अच्छे नागरिक बन सकें। आइए जानते हैं बच्चों पर ध्यान देने योग्य बातें...

नियमित संवाद है जरूरी

अपने बच्चे के साथ खुला और सहज संवाद बनाकर रखें। उनकी भावनाएं समझने की कोशिश करें और यदि वह आपके साथ कुछ साझा करते हैं,तो उनके ऊपर भरोसा जरूर जताएं। उन्हें यकीन दिलाएं कि आप उनकी परेशानी समझती हैं और उसे सुलझाने के लिए हमेशा उनके साथ हैं। बनाएं दोस्ती का रिश्ता हमेशा माता-पिता की तरह व्यवहार करने के बजाय अपने बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार कायम करें। उनके शौक का हिस्सा बनकर, तल्लीनता से उनकी बातें सुनकर और सामान्य गलतियों को हंसकर टाल देने से आपके और बच्चों के रिश्ते में मजबूती आएगी और वह आपसे बिना डरे अपनी बातें साझा कर सकेंगे।

कायम करें मिसाल

बच्चों का पहला स्कूल घर और पहले गुरु उनके अभिवाभक ही होते हैं। यानी उनमें अच्छी या बुरी आदतों की नींव घर से ही पड़ती है। इसलिए जरूरी है कि उनके सामने आप अपनी मजबूत और संवेदनशील छवि कायम करें। जो गुण आप उनके भीतर देखना चाहते हैं, उन्हें पहले अपने व्यक्तित्व में शामिल करें। आपको देखकर बच्चे को खुद-ब-खुद आपके जैसा बनने की प्रेरणा मिल जाएगी।

थोड़ी ढील भी है जरूरी

बच्चों को अनुशासन सिखाना बहुत जरूरी है, लेकिन हर समय इसका पाठ पढ़ाने से वह तनाव की चपेट में आ सकता है। आज के जमाने में छोटी कक्षाओं से ही उन पर पढ़ाई और परीक्षाओं का बहुत दबाव होता है, इसलिए कभी-कभार उन्हें छुट्टी देनी भी जरूरी है, जिसमें वह सिर्फ खेल-कूद और मस्ती कर सकें। ऐसा करने से बच्चा न केवल तरोताजा हो जाएगा बल्कि उसे भरोसा भी होगा कि आप हर समय सिर्फ सख्ती नहीं बरतती हैं।

अच्छी आदतों को प्रोत्साहन

मानसिक सेहत दुरुस्त रखने के लिए शारीरिक स्वास्थ्य का अच्छा होना बहुत जरूरी है। इसलिए बचपन से ही अपने बच्चे में अच्छी आदतों की नींव डालें। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, समय से जागने और सोने का सही समय तथा भावनात्मक स्थिरता कुछ ऐसे अच्छे गुण हैं, जो उन्हें तनाव मुक्त रखने के लिए जरूरी हैं।

यथार्थवादी बनना सिखाएं

जीवन में सब कुछ हमारी मर्जी के मुताबिक नहीं होता है और ऐसा भी जरूरी नहीं कि हमेशा आप अव्वल ही आएं। अपने बच्चे को व्यवहारिक बनने का हुनर सिखाएं ताकि वह जीत की खुशी के साथ हार को भी सकारात्मक तरीके से स्वीकार सके। जब हम खुले दिल से परिणाम स्वीकारना सीख जाते हैं, तो तनावग्रस्त होने की आशंका अपने आप कम हो जाती है।

दिमाग को शांत रखता है मकरासन

आजकल की भागती-दौड़ती जिंदगी में तनाव लोगों के जीवन का एक हिस्सा बनकर रह गया है। जिससे निजात पाने के लिए वो कई तरह के उपाय भी आजमाते हैं,लेकिन समस्या जस की तस बनी रहती है। अगर आप भी अपने बिजी लाइफस्टाइल की वजह से अकसर तनाव से घिरे रहते हैं तो मकरासन को अपने रूटिन का हिस्सा बना लें। मकरासन संस्कृत के दो शब्द मकर और आसन से मिलकर बना है। मकर का अर्थ मगरमच्छ और आसन का मतलब पोज यानि पॉश्चर से होता है। अंग्रेजी में इस आसन को क्रोकोडाइल पोज भी कहा जाता है। मकरासन का नियमित अभ्यास व्यक्ति के अंगों को रिलैक्स करके मन को शांत रखने में मदद करता है। जिससे व्यक्ति को बैचेनी,डिप्रेशन,उलझन और माइग्रेन जैसी समस्या में राहत मिलती है।

मकरासन करने का तरीका

मकरासन करने के लिए सबसे पहले किसी खुली जगह पर अपना योगा मैट बिछाकर उस पर पेट के बल लेट जाएं। इसके बाद अपनी दोनों कोहनियों को जमीन पर टिकाते हुए अपना सिर और कंधे को ऊपर की तरफ ले जाएं। हथेलियों का स्टैंड बनाकर इस पर ठुड्डी को रखकर गहरी सांस लें और छोड़ें। अगर इस आसन को करते समय कमर पर ज्यादा जोर पड़ रहा हो,तो कोहनियों को हल्का और फैला दें। अब धीरे-धीरे अपने दोनों पैरों को नीचे से ऊपर की ओर ले जाते हुए धीरे-धीरे नीचे से ऊपर लेकर जाएं। यह एक चक्र होता है, इस तरह से आप दस चक्र कर सकते हैं।

मकरासन के फायदे

पेट की समस्या करें दूर

नियमित रूप से मकरासन का अभ्यास करने से पाचन तंत्र बेहतर होता है। इस आसन का नियमित अभ्यास थकावट और बदन दर्द को दूर करके पेट की मांसपेशियों को टोन करके कब्ज की समस्या को दूर करने में मदद करता है। जिससे पेट से जुड़ी हुई कई बीमारियां दूर हो सकती हैं।

सांस संबंधी समस्या

मकरासन श्वांस संबंधी दमा जैसी परेशानियों से निजात दिलाने में मदद कर सकता है। मकरासन करते समय श्वास लेने और छोड़ने की वजह से व्यक्ति के फेफड़े मजबूत बनते है। स्वच्छ वायु अंदर लेने से छाती तंदुरुस्त रहती है जिससे श्वास संबंधी बीमारियों में लाभ मिल सकता है।

तनाव होता है दूर

मकरासन करने से हाइपरटेंशन व मानसिक रोगों से राहत मिलती है। इसके नियमित अभ्यास से तनाव दूर होने के साथ मन को शांत और एकाग्र बनाए रखने में मदद मिलती है। जिन बच्चों का पढ़ने में मन नहीं लगता, वे इस आसन को करेंगे तो उन्हें फायदा मिलेगा। ये आसान करने में बेहद सरल है कि कोई भी व्यक्ति आसन से कर सकता है।

कच्चे केले का चोखा

भरता....नाम सुनते ही कई लोग के मुंह में पानी आ जाता है। पूरी हो या फिर पराठा भरता काफी अच्छा लगता है। हालांकि, कुछ सब्जियां होती ही ऐसी हैं जिनका भरता ही बनाया जाता है जैसे- बैंगन आदि। मगर हर बार बैंगन का भरता नहीं खाया जा सकता, खाते-खाते हम बोर हो जाते हैं। इसलिए अब वक्त है कुछ नया ट्राई करने का, जी हां अगर आप चाहें तो कच्चे केले का भरता बनाकर खा सकते हैं। बता दें इसे आप न सिर्फ रोटी बल्कि लिट्टी के साथ भी सर्व कर सकते हैं। केले का भरता को कई लोग चोखा के नाम से भी जानते हैं और इसे सिर्फ लिट्टी के साथ बनाते हैं। बता दें कि कच्चे केले से आप बहुत आसानी से भरता बना सकते हैं। हालांकि, इसे बनाने के कई तरीके हैं जिसे लोग अपनी पसंद के हिसाब से बनाते हैं। मगर हम बिल्कुल बिहारी स्टाइल में चोखा तैयार करेंगे। वैसे तो बैंगन या आलू का चोखा बनाया जाता है, जिसे बनाने में काफी वक्त लगता है। मगर यकीन मानिए केले का चोखा बनाने में आपको ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

बनाने का तरीका

चोखा बनाने के लिए सबसे पहले कच्चे केले को धोकर पतले-पतले हिस्सों में काट लें। फिर प्रेशर कुकर में पानी डालकर केले को उबाल लें। केले को उबालने के लिए आप पतीली का इस्तेमाल कर सकते हैं। जब केले उबल जाएं तो मैश करके रख दें। मैश करने के लिए चम्मच की मदद ले सकते हैं। अब एक बड़ा बर्तन लें और 1 से 2 चम्मच तेल डालकर गर्म होने दें। जब तेल गर्म हो जाए तो कटी हुई प्याज, टमाटर डालकर हल्का ब्राउन कर लें। प्याज पक जाने के बाद मैश किए हुए केले डालें और अच्छी तरह से मिक्स कर लें। मिक्स करने के बाद केले में तमाम मसाले जैसे- नमक, हरी चटनी, लाल मिर्च, अमचूर पाउडर, अदरक, धनिया के पत्ते आदि डाल दें। लगभग 10 मिनट तक पका लें और गैस बंद कर दें। बस आपका स्वादिष्ट चोखा तैयार है, जिसे आप लिट्टी के साथ सर्व कर सकते हैं।

हेल्दी हैबिट्स अपनाएं

मेंटली स्ट्रांग होना जरूरी है। इसका असर रोजमर्रा के कामों पर भी पड़ता है। हर दिन के छोटे-मोटे काम और बातों का असर अक्सर दिमाग पर होता है और इंसान स्ट्रेस या तनाव में आ जाता है। इस तरह के तनाव से निपटने के लिए हर दिन किए गए काम ही मदद करते हैं। अगर स्ट्रेस फ्री लाइफ जीनी है तो कुछ हेल्दी हैबिट्स को फॉलो करना शुरू कर दें। जिससे कि मेंटल हेल्थ पर असर ना पड़े।

बैलेंस डाइट

रोजमर्रा के खाने में हम जो भी खाते हैं उसका असर केवल शरीर पर ही नहीं बल्कि दिमाग पर भी होता है। इसलिए हमेशा हेल्थ को बैलेंस करने वाले फूड खाने चाहिए। अनाज, दाल, प्रोटीन, हेल्दी फैट्स के सा ही थोड़ी मात्रा में कार्ब्स भी जरूरी है। साथ ही कैफीन, चाय, एल्कोहल, मीठे फूड को छोड़ने से मेंटल हेल्थ पर असर दिखने लगेगा।

फिजिकल एक्टीविटी है जरूरी

अगर आप दिनभर बैठे रहते हैं और फिजिकली काफी कम एक्टिव हैं। तो इसका बुरा प्रभाव मानसिक तनाव के रूप में भी दिखेगा। हर दिन किया गया फिजिकल वर्क शरीर में एंडोर्फिन हार्मोंस को बढ़ाता है। जो कि मूड बूस्टर हार्मोन है।

ब्रीदिंग एक्सरसाइज

तनाव को कम करना है तो खुद की सांसों पर नियंत्रण जरूरी है। इसके लिए ब्रीदिंग एक्सरसाइज, योग, मेडिटेशन को डेली लाइफ में शामिल करें। ये सारी एक्सरसाइज दिमाग को शांत रखने में मदद करती है। अगर आप तनाव की स्थिति में गहरी सांस लेना शुरू कर देते हैं तो ये आपको स्ट्रेस होने से रोक सकती है।

आर्गन ऑयल से पाएं चेहरे में निखार

चेहरे को निखरा और बेदाग बनाने के लिए हर दिन लड़के और लड़कियां स्ट्रगल करते हैं। ऐसे में एक तेल है जो इन समस्याओं को जड़ से खत्म कर सकता है। आर्गन ऑयल काफी मशहूर तेल है, जिसे आयुर्वेद में भी गुणकारी माना गया है। ये खास तरह के नट्स होते हैं जिनसे निकला तेल स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इस तेल को रोजाना लगाने से स्किन की इन समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

स्किन का ढीलापन खत्म करे

आर्गन ऑयल का इस्तेमाल एंटी एजिंग ट्रीटमेंट के लिए किया जाता है। इसे रोजाना चेहरे पर लगाने से स्किन की इलास्टिसिटी बढ़ती है। जिससे स्किन में होने वाले ढीलेपन से छुट्टी मिलती है।

ऑयली स्किन के लिए फायदेमंद

ऑयली स्किन से परेशान लोगों को चेहरे पर आर्गन ऑयल का इस्तेमाल फायदेमंद साबित होता है। इस तेल को लगाने से स्किन में हो रहे ज्यादा सीबम प्रोडक्शन को रोकने में मदद मिलती है। जिससे स्किन का तैलीयपन कम होता है। रोजाना कुछ बूंद आर्गन ऑयल की लगाने से ऑयलीनेस दूर होती है।

स्ट्रेच मार्क्स कम करता है

आर्गन ऑयल स्किन के ढीलेपन को खत्म करता है। इसलिए अगर इसे स्ट्रेच मार्क्स पर लगाया जाए तो ना केवल स्ट्रेच मार्क्स को कम करता है बल्कि इसके निशान को भी हल्का करने में मदद करता है।

स्किन को मॉइश्चराइज करता है

आर्गन ऑयल स्किन को मॉइश्चराइज तेजी से करने में मदद करता है। इसीलिए इसका इस्तेमाल ज्यादातर क्रीम और मॉइश्चराइजर में किया जाता है। ये स्किन में पानी की मात्रा को बनाकर रखता है। जिससे स्किन हाइड्रेटेड रहती है और ग्लो भी करती है।

सन प्रोटेक्शन

आर्गन ऑयल स्किन को धूप से होने वाले डैमेज से बचाने में भी हेल्प करता है। सनबर्न, हाइपरपिग्मेंटेशन से आर्गन ऑयल बचाव करता है। आर्गन ऑयल की कुछ बूंदों को रोजाना लगाने से स्किन को ग्लो मिलता है और हाइपपिग्मेंटेशन की समस्या भी खत्म होने लगती है।

सुबह जल्दी उठने के फायदे

सुबह जल्दी उठने के कई फायदे होते हैं। साइंस के अनुसार, सुबह जल्दी उठना हमारे शरीर और दिमाग के लिए बहुत ही लाभदायक होता है। सुबह के समय हमारा शरीर कॉर्टिसोल नामक हार्मोन का स्राव करता है जो स्ट्रेस को कम करने में मदद करता है। इसलिए सुबह जल्दी उठने से हम पूरे दिन के लिए तनाव मुक्त महसूस करते हैं। साथ ही, सुबह की ताजी हवा में सांस लेने से दिमाग में रक्त संचार बढ़ता है जिससे विचार करने,समझने और याद करने की शक्ति बेहतर होती है।

दिमाग तंदरुस्त

इसके अलावा, सुबह में व्यायाम और योग करने से भी दिमाग और शरीर दोनों ही बेहतर ढंग से काम करते हैं। शोधों से पता चला है कि सुबह के समय किया गया व्यायाम वजन कम करने और फिटनेस लेवल बढ़ाने में अधिक प्रभावी होता है। इस प्रकार, साइंस की दृष्टि से देखा जाए तो सुबह जल्दी उठकर हल्का व्यायाम और योग करना स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद है। यह हमारे शरीर और दिमाग को तंदरुस्त बनाए रखने में मदद करता है।

तनाव कम होना

दरअसल, सुबह के समय हमारा शरीर कुछ खास हार्मोन्स बनाता है जिनसे हमारा मूड अच्छा रहता है। जो स्ट्रेस और तनाव कम करने का काम करता है। अगर हम सुबह 4-5 बजे के बीच में उठ जाएं, तो हमारा शरीर पर्याप्त मात्रा में कॉर्टिसोल बना लेता है। दिनभर के कामों को करने का मन बेहतर रहता है। यही कारण है कि सुबह की सैर या व्यायाम भी अधिक लाभदायक होता है। इसलिए डॉक्टर भी सुबह जल्दी उठने की सलाह देते हैं।

दिमाग होता है तेज

सुबह जल्दी उठने से दिमाग में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है, जिससे हमारी याददाश्त और ध्यान देने की क्षमता बेहतर होती है। दरअसल, सुबह के समय हवा में ऑक्सीजन की मात्रा सबसे अधिक होती है। जब हम सुबह जल्दी उठकर हल्की सैर करते हैं या योगाभ्यास करते हैं, तो हमारे फेफड़ों को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन मिलती है। यह ऑक्सीजन हमारे रक्त के जरिए दिमाग तक पहुंचती है और दिमाग को ताजा बनाती है। ताजा दिमाग से हमारी स्मरण शक्ति, ध्यान केंद्रित करने, विचार करने की क्षमता में सुधार होता है। यही कारण है कि डॉक्टर भी सुबह की सैर की सलाह देते हैं।

सुबह जल्दी उठने के फायदे

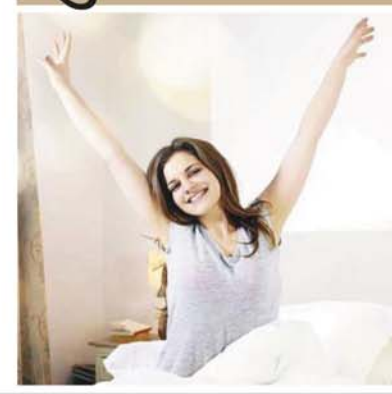

69वीं राष्ट्रीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला संपन्न

छत्तीसगढ़ ने प्रथम स्थान प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर दर्ज की बड़ी उपलब्धि

दुर्ग-भिलाई। भिलाई के सेक्टर-8 स्थित डीएलडी एनएस विद्यालय ग्राउंड में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला गुरुवार को संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर शामिल हुए।

संभागायुक्त राठौर ने फाइनल मैच से पहले खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर परिचय प्राप्त किया और उनका उत्साहवर्धन किया। 6 जनवरी को शुरू हुई इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में अंडर-14 वर्ष बालक वर्ग में देश के 29 राज्यों की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का औपचारिक समापन 9 जनवरी को किया जाएगा।

आज खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में मेजबान छत्तीसगढ़ और बिहार की टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। वहीं, तृतीय स्थान के लिए तेलंगाना और हरियाणा की टीमें आमने-सामने थीं।

पूरी प्रतियोगिता के दौरान सभी राज्यों के प्रतिभागी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन एवं खेल भावना का परिचय दिया, जिसकी सराहना उपस्थित दर्शकों और अधिकारियों ने की।

इस अवसर पर शिक्षा विभाग की सहायक संचालक कल्पना व सीमा नायक सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी/कर्मचारी और विभिन्न राज्यों से पहुंचे प्रतिभागी खिलाड़ी उपस्थित थे।

रामनगर मुक्ति धाम तालाब का होगा सौंदर्यीकरण : आयुक्त

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई जोन 2 वैशाली नगर अंतर्गत निर्माणाधीन सर्विस रोड, उद्यान, वाटर एटीएम, अवैध कब्जा, जर्जर स्कूल एवं भवन सहित मुक्तिधाम तालाब का सघन निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा वार्ड पार्षद लक्ष्मी साहू के उपस्थिति में किया गया। निगम आयुक्त एवं जोन आयुक्त येशा लहरे द्वारा साक्षरता चौंक से पावर हाउस तक निर्माणाधीन नाली एवं प्रस्तावित सर्विस रोड का अवलोकन किया गया। पूर्व से बने सड़क जर्जर हो जाने के कारण नागरिको को असुविधा हो रही थी और दुर्धटना की संभावना बनी थी। जिसे देखते हुए नवीन सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। सड़क के बनने से आम नागरिको को सुविधा मिलेगी। तीनदर्शन मंदिर के पास निर्मित उद्यान का निरीक्षण करते हुए उद्यान के भीतर पाथवे, खेल सामग्री एवं अन्य आवश्यक संधारण कराने जोन के अधिकारियों को निर्देशित किये है। उद्यान के संधारण हो जाने से वरिष्ठजनों को समय बिताने के साथ बच्चों को मनोरंजन के साधन उपलब्ध होगें। 18 नंबर रोड नेहरू चौंक के पास नागरिको के पीने हेतु शुद्व पेयजल के लिए वाटर एटीएम स्थापित किया गया है जिसका निरीक्षण आयुक्त द्वारा किया गया। वर्तमान में वाटर एटीएम चालू है, नागरिक शुद्व पेयजल का लाभ उठा रहे है। शास्त्री नगर में नाला के किनारे 40 परिवारों द्वारा अतिक्रमण कर निवास किया जा रहा है। जिन्हे पूर्व में स्वयं से अतिक्रमण हटाने नोटिस भी दिया गया है। स्वयं से अतिक्रमण नहीं हटाने पर निगम द्वारा कब्जा हटाने की कार्यवाही की जावेगी। समीपस्थ बीएसपी स्कूल एवं कार्यक्रम के लिए हॉल पूर्व से निर्मित है, जो पुराने होने के साथ जर्जर हो गये है। जर्जर स्कूल एवं भवन को ध्वस्त कर पीएम आवास निर्माण के लिए बीएसपी से पत्राचार करने निर्देशित किये हैं। कर्मा भवन मार्ग वार्ड क्रं. 27 मोहल्ले में एक स्थानीय नागरिक द्वारा सड़क का पानी घर में न आये इसलिए सड़क बाधा कर घेरा कर दिया गया है, जिसे हटाने कहा गया है। समीपस्थ वार्ड वासियों द्वारा पानी का प्रेशर कम आता है इसलिए घरो के सामने गढढे कर रखे है। प्रेशर की जांच करकर ठीक कराने कहा गया है। आयुक्त द्वारा रामनगर मुक्तिधाम तालाब का निरीक्षण किया गया। तालाब के पानी को खाली कर सौंदर्यीकरण किया जाना है, ततपश्चात नहर का साफ पानी भरा जायेगा। पानी को खाली कराकर मलवे को साफ कराने कहा गया है। साथ ही तालाब के बगल में जर्जर भवन है जो पूर्ण रूप से खण्डहर हो गया है। जर्जर भवन को छतिग्रस्त कर समतलीकरण कराने निर्देशित किये है। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, सहायक अभियंता अर्पित बंजारे, उप अभियंता चंदन निर्मलकर, सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे, पार्षद प्रतिनिधि अरविंद राय।

कलेक्टर सिंह ने नियमों के उल्लंघन पर औद्योगिक इकाइयों को तत्काल बंद करने के दिए निर्देश

कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त शिकायत पर त्वरित कार्रवाई

दुर्ग। जिले में पर्यावरण नियमों की अनदेखी करने वाले औद्योगिक संस्थानों पर जिला प्रशासन ने सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। विगत दिवस कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त शिकायतों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए कलेक्टर अभिजित सिंह के निर्देशन में छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल (सीईसीबी) ने जिले की विभिन्न इकाइयों का औचक निरीक्षण किया। जांच में गंभीर अनियमितताएं और प्रदूषण पाए जाने पर क्षेत्रीय कार्यालय, भिलाई द्वारा संबंधित इकाइयों को तत्काल प्रभाव से बंद करने का आदेश जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि यह कार्रवाई मुख्य रूप से भिलाई-03 तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्रामों में की गई है। जिसके अंतर्गत ग्राम

अकलौरडीह-जरवाय, ग्राम जरवाय तथा कुम्हारी क्षेत्र शामिल है। ग्राम अकलौरडीह-जरवाय में संचालित मेसर्स आर.डी. एजेंसी (वेस्ट मटेरियल स्क्रीनिंग यूनिट) को भारी धूल और बिना अनुमति संचालन के कारण बंद करने का आदेश दिया गया है। ग्राम जरवाय स्थित मेसर्स पंकज अग्रवाल (स्लैग क्रशिंग यूनिट) और मेसर्स टेथिस इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड पर भी नियमों के उल्लंघन के चलते कार्रवाई की गई है। तथा कुम्हारी क्षेत्र अहिवारा रोड स्थित मेसर्स वैद्य फूड प्रोडक्ट्स में प्रदूषण नियंत्रण उपकरण न होने के कारण उसे भी बंद करने के आदेश दिए गए हैं। पर्यावरण मंडल ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई विधिक प्रावधानों के अंतर्गत की गई है। जिसमें जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 33 'क' तथा वायु (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1981 की धारा 31 'क' शामिल है। संबंधित उद्योगों को अपनी गतिविधियां तत्काल बंद करने के निर्देश दिए गए है। साथ ही, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) के कार्यपालन अभियंता को निर्देशित किया गया है कि इन इकाइयों के विद्युत कनेक्शन तत्काल विच्छेदित कर दिए जाएं।

लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप की टीम पहुंची दुर्ग गर्ल्स कालेज प्रिंसिपल डॉ.रंजना श्रीवास्तव को नववर्ष का कैलेंडर भेंट किया

दुर्ग। लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस.आर. हॉस्पिटल एंड कॉलेज द्वारा नववर्ष के अवसर पर वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया गया। यह कैलेंडर शासकीय अवकाशों के साथ-साथ हिन्दू नववर्ष, पर्व-त्योहारों एवं धार्मिक तिथियों की विस्तृत जानकारी समेटे हुए है, जिससे आमजन को वर्ष भर उपयोगी मार्गदर्शन मिलेगा।

कैलेंडर की विशेषता यह है कि इसमें प्रतिमाह सभी राशियों का फ्लादेश भी शामिल किया गया है, जिससे ज्योतिषीय दृष्टि से भी यह लोगों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। यही कारण है कि छोटे-बड़े सभी प्रतिष्ठानों में इस कैलेंडर की मांग लगातार बढ़ रही है।

गुरुवार को लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप की टीम दुर्ग गर्ल्स कालेज पहुंची और प्रिंसिपल डॉ.रंजना श्रीवास्तव से भेंट कर उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं दीं और कैलेंडर की प्रति भेंट की। इस दौरान उन्होंने कैलेंडर के लेआउट की प्रशंसा करते हुए कहा कि,इसका प्रकाशन बहुत ही अच्छा है.शासकीय अवकाशों के साथ-साथ हिन्दू नववर्ष, पर्व-त्योहारों एवं धार्मिक तिथियों की विस्तृत जानकारीयां इसमें मौजूद है.उन्होंने लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस.आर. हॉस्पिटल एंड कॉलेज की इस पहल की

सराहना करते हुए पूरी टीम को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं और जनहित में किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। इस दौरान डॉ.रेशमा लाकेश, डॉ.अमिता सहगल, डॉ.सुषमा यादव सहित अन्य मौजूद रहे।

प्रभारी मंत्री की अनुशंसा पर दुर्ग शहर और ग्रामीण विधान सभा के विकास कार्यों हेतु 57.30 लाख रूपए स्वीकृत

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए जिले के दो प्रमुख विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 57.30 लाख रूपए से अधिक की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा द्वारा अनुशंसित इन कार्यों के लिए वर्ष 2025-26 के आबंटन से राशि जारी की गई है। इस स्वीकृति के तहत दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु 29.97 लाख रूपए और दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में विकास हेतु 27.33 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है। इन कार्यों के संपादन के लिए क्रमशः ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग-दुर्ग और जनपद पंचायत दुर्ग को क्रियान्वयन एजेंसी नियुक्त किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्ग शहर विधानसभा के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 40 में स्थित सामुदायिक भवन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य हेतु 9.99 लाख रूपए की स्वीकृति दी गई है। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 40 में ही सामुदायिक भवन में रसोई कक्ष एवं शौचालय निर्माण कार्य के लिए 5.00 लाख रूपए स्वीकृत किए गए हैं। वार्ड क्रमांक 56 बघेरा के मोहलई रोड के समीप सामुदायिक भवन निर्माण कार्य के लिए 9.99 लाख रूपए तथा सामुदायिक भवन में शौचालय निर्माण कार्य हेतु 4.99 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी क्रम में दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के अंतर्गत ग्राम थनौद के सतनाम पारा में और ग्राम कोकडी के निषाद पारा में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य के लिए 10-10 लाख रूपए की स्वीकृति दी गई है। ग्राम भानपुरी के वार्ड 02 में सार्वजनिक भवन के पास किचन शेड निर्माण कार्य हेतु 3.40 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है। साथ ही, ग्राम एवं ग्राम पंचायत अछोटी के भाठापारा क्षेत्र की विभिन्न गलियों में नाली निर्माण कार्य के लिए 3.93 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

आगामी नेशनल लोक अदालत एवं 'मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 2.0' अभियान को सफल बनाने हेतु समन्वय बैठक आयोजित

दुर्ग। आगामी नेशनल लोक अदालत तथा 'मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 2.0' अभियान को अधिकतम सफलता दिलाने के उद्देश्य से राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग द्वारा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दुर्ग के विश्राम कक्ष में एक महत्वपूर्ण समन्वयात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य लंबित एवं सुलह योग्य मामलों के प्रभावी निराकरण हेतु ठोस कार्ययोजना तैयार करना तथा मध्यस्थता को वैकल्पिक विवाद समाधान के रूप में सशक्त बनाना रहा।बैठक में मध्यस्थता केन्द्र प्रभारी, नवम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेटगण तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के सचिव उपस्थित रहे। जिनके द्वारा आपसी समन्वय एवं संवाद के माध्यम से अभियान की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में लोक अदालत एवं मध्यस्थता हेतु उपयुक्त मामलों की पहचान, प्री-लिटिगेशन स्तर पर सुलह योग्य प्रकरणों को प्राथमिकता देने, पक्षकारों को मध्यस्थता के लाभों से अवगत कराने तथा नोटिस एवं दस्तावेजी तैयारी हेतु समयबद्ध कार्ययोजना निर्धारित करने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। यह बैठक नेशनल लोक अदालत एवं 'मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 2.0' अभियान की सफलता की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं प्रेरक कदम के रूप में देखी जा रही है।

राज्य सरकार की किसान हितैषी पहल से धान खरीदी में पारदर्शिता, किसानों को मिल रहा लाभ

दुर्ग/ जिले में धान खरीदी की प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है, जिससे किसान खुश हैं और शासन-प्रशासन की व्यवस्थाओं की सराहना कर रहे हैं। ट्रकों के माध्यम से प्रतिदिन धान का उठाव किया जा रहा है, जिससे उपार्जन केंद्रों पर किसी प्रकार का दबाव नहीं बन रहा है। किसान हितैषी राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप किसानों को उनकी मेहनत का वाजिब दाम दिलाने के लिए प्रशासन द्वारा बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। राज्य सरकार द्वारा संचालित 24म7 टोकन व्यवस्था के माध्यम से धान खरीदी पूरी तरह सुचारू रूप से संचालित हो रही है, जिससे किसानों को समय पर टोकन प्राप्त हो रहा है।

इसी क्रम में पिसेगांव निवासी किसान धनेश कुमार ने उपार्जन केंद्र कोलिहापुरी में अपना धान विक्रय किया। धनेश कुमार ने 2.26 हेक्टेयर क्षेत्र में सरना किस्म का धान लगाया था, जिसमें 105

क्विंटल धान का उत्पादन किया। धान विक्रय के पश्चात उन्होंने नियमानुसार रकबा समर्पण भी किया। धनेश ने बताया कि यह उनका दूसरा टोकन है, जिसके माध्यम से वे बिना किसी परेशानी के धान बेच पा रहे हैं। जिले में धान खरीदी की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए नोडल अधिकारी अपने-अपने प्रभार वाले धान खरीदी केंद्रों पर नियमित रूप से पहुंचकर खरीदी कार्य की सतत मॉनिटरिंग कर रहे हैं। धान खरीदी केंद्र में पारदर्शी और सुव्यवस्थित व्यवस्था होने से धनेश जैसे अन्य किसान भी काफी संतुष्ट नजर आए। पर्याप्त मात्रा में बारदाना उपलब्ध होने के कारण किसी प्रकार की रुकावट नहीं आ रही है और किसानों को लाइन में लगने की भी आवश्यकता नहीं पड़ रही है।

समिति द्वारा बोरी उपलब्ध कराने से लेकर बोरी की सिलाई तक की पूरी व्यवस्था की गई है। धनेश कुमार ने बताया कि धान बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग वे आगामी रबी फसल की तैयारी में करेंगे।

शहर कांग्रेस कमेटी का प्रदर्शन, विधायक, सांसद और महापौर का पुतला फूंका

मोहारा शराब दुकान का विरोध, कांग्रेसी बोले...स्थानीय लोगों का भी विरोध, भाजपाई क्यों मौन

कांग्रेसियों ने दी चेतावनी, शराब दुकान बंद नहीं हुई तो होगा बड़ा आंदोलन

राजनांदगांव। मोहारा बायपास में खुली प्रीमियम शराब दुकान का विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांग्रेस और स्थानीय लोग इसके खिलाफ लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। बुधवार को भी शराब दुकान के सामने कांग्रेसियों ने धरना प्रदर्शन किया।

कांग्रेसियों ने शराब दुकान का विरोध तो किया ही साथ में भाजपा नेताओं पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। कांग्रेसियों ने कहा कि स्थानीय लोगों में आक्रोश होने के बाद भी शहर का कोई भी भाजपाई उनके समर्थन में नहीं आ रहा है, सीधे तौर पर वे रिहाइशी इलाके में शराब दुकान खोलने की मौन स्वीकृति दे रहे हैं। इसके बाद कांग्रेसियों ने

राजनांदगांव विधायक डॉ. रमन सिंह, सांसद संतोष पांडेय और महापौर मधुसूदन यादव का पुतला फूंका। इसके अलावा कांग्रेसियों ने प्रीमियम शराब दुकान को बंद करने की मांग की। वहीं यह भी कहा गया कि यदि इस पर जिला प्रशासन और राज्य सरकार निर्णय नहीं लेती है तो आगे उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। वहीं मोहारा बायपास में शराब दुकान खुलते ही मोहारा व आसपास रहने वाले लोगों में रोष देखने को मिला, इसके बाद कांग्रेस पार्टी भी उनके समर्थन में आगे आई। पहले आबकारी विभाग ने विरोध को देखते हुए शराब दुकान को बंद कर दिया था। लेकिन उसके बाद दोबारा दुकान को खोल दिया गया। इसके बाद अब कांग्रेस ने एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है।

सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी, जिला प्रशासन को भी घेरा

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेसियों ने कहा कि पूर्व में शराब दुकान का विरोध करने वाले भाजपाई आज जगह-जगह शराब दुकान खोलने में लगे हुए हैं। इसक अलावा उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन और आबकारी विभाग मनमानी पर उतर आया है, लोगों के विरोध को दरकिनार कर केवल दुकान खोलने पर जोर दे रहा है।

शहर में छह जगहों पर प्लानिंग, सभी जगह होगा विरोध : मुदलियार

मोहारा बायपास स्थित शराब दुकान का विरोध कांग्रेस कर रही है। इसी बीच शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार ने कहा कि यहां के अलावा आधा दर्जन और भी जगह आबकारी विभाग ने चिन्हांकित कर रखी है, जहां शराब दुकान खोलने की प्लानिंग की गई है। मुदलियार ने कहा कि जिस-जिस जगह पर दुकान खोली जाएगी और स्थानीय लोगों का विरोध होगा, उनके समर्थन में कांग्रेस खड़ी होगी और प्रदर्शन करेगी।

प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 13 जनवरी को, निजी क्षेत्र के 337 पदों पर होगी भर्ती

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग मालवीय नगर चौक दुर्ग में मंगलवार, 13 जनवरी 2026 को प्रातः 10:30 बजे से प्लेसमेंट केम्प का आयोजन किया जाएगा। इस प्लेसमेंट कैम्प में निजी क्षेत्र के तीन नियोजकों से प्राप्त रिलेशनशिप मैनेजर-12 पद, इलेक्ट्रीशियन-200 पद, फील्ड ऑफिसर-25 पद, असिस्टेंट मैनेजर ट्रेनी-20 पद, डिप्टी एडवाइजर-20 पद, सेल्स ऑफिसर-20 पद, कलेक्शन ऑफिसर-20 पद और रिलेशनशिप ऑफिसर- 20 पद कुल 337 रिक्त पदों हेतु भर्ती प्रक्रिया की जाएगी। उक्त सभी पदों हेतु वेतन 15000 से 40000 रूपये तक है। साथ में 10वी, 12वी, आई.टी.आई.ए डिप्लोमा एवं कोई भी स्नातक शैक्षणिक योग्यता धारी आवेदक उक्त प्लेसमेंट कैम्प में सम्मिलित हो सकतें है। विस्तृत जानकारी eroj-gar.cg.gov.in, chhattisgarh rozgar app अथवा रोजगार कार्यालय के सूचना पटल के माध्यम से प्राप्त कर सकते है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग से प्राप्?त जानकारी अनुसार इच्छुक आवेदक समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण/अंकसूची, पहचान पत्र (मतदाता परिचय पत्र/आधार कार्ड/पेनकार्ड/ड्रायविंग लाइसेंस/राशन कार्ड), रोजगार कार्यालय का पंजीयन पत्रक, छ.ग. निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र समस्त दस्तावेजों की (छायाप्रति) के साथ प्लेसमेंट / रोजगार मेला में उपस्थित हो सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com